हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 2 नवंबर, 2025

तापमान
अधिकतम 30 .7 डिग्री
न्यूनतम 16 .5 डिग्री

12 कुरीतियों के खिलाफ चलता रहेगा नेहरा खाप अभियान

12 हकृवि के सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न

खबर संक्षेप

31वां अखंड पाठ 3 से कबीर सत्संग भवन में

हिसार। सतगुरु प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में जगतगुरु आचार्य श्री गरीबदास महाराज की वाणी का 31वां अखंड पाठ 3 नवंबर को 10:15 बजे पाठ प्रकाश के साथ कबीर सत्संग भवन महावीर कॉलोनी गली नं. 35 महात्मा ज्योतिबा फुले मार्ग में होगा। कबीर सत्संग भवन के संस्थापक एवं संचालक संत शिवदास ने बताया कि 4 नवंबर को 10:15 बजे मध्य का भोग व सायंकाल संध्या आरती व सत्संग प्रवचन होगा। 5 नवंबर को 10:15 बजे अखंड पाठ की पूर्णाहुति भोग होगा इसके साथ ही प्रवचन, सत्संग व भंडारा आयोजित किया जाएगा।

किरमारा में अभय सिंह चौटाला की जनसभा आज

हिसार। जिले के गांव में किरमारा में 2 नवंबर को होने वाली इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला की जनसभा की तैयारियां पूरी कर ली गई है। जनसभा के प्रति कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों में भारी उत्साह है। जनसभा के संयोजक एवं इनेलो के प्रदेश सचिव दलबीर किरमारा ने बताया कि अभय सिंह चौटाला की जनसभा दो नवंबर को किरमारा गांव में दोपहर 3 बजे होगी। इसके लिए पूरी तैयारियां कर ली गई है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार किरमारा गांव में आ रहे हैं। किरमारा गांव ऐतिहासिक व राजनीतिक दृष्टि से प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

इक ओंकार सतनाम मेडिटेशन कैंप शुरू

हिसार। गुरु नानक जयंती के उपलक्ष्य में सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में दो दिवसीय एक ओंकार सतनाम मेडिटेशन कैंप का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में साधकों ने हिस्सा लिया। इस शिविर का संचालन करते हुए स्वामी सच्चिदानंद ने गुरु नानक की शिक्षाओं से साक्षात्कार करवाया। इस अवसर पर ओशो ध्यान उपवन के संचालक स्वामी संजय व मां सांची भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। स्वामी संजय ने बताया कि 2 नवंबर को ओशो ध्यान उपवन में गुरु नानक जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी और दोपहर 1 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक सात्विक लंगर प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

श्री श्याम मंदिर में उमड़ा भक्तों का सैलाब

हिसार। कार्तिक शुक्ल देवउठनी एकादशी पर श्री श्याम मंदिर सेक्टर 16-17 में बाबा का प्रगटोत्सव मनाया गया। अलसुबह से ही मंदिर मे भक्तों के आने का सिलसिला शुरू हो गया। देर रात्रि तक भक्तजन लंबी कतारों में जयकारों का उद्घोष करते हुए श्रद्धा भाव के साथ बाबा के दर्शनों को उतावले दिखे। श्री श्याम मंदिर मे श्याम प्रगटोत्सव के लिए बाबा का बैंगलोर व कलकता से आए विशेष फूलों से बाबा के दरबार का अलौकिक श्रृंगार किया गया।
मंदिर परिसर की रंग-बिरंगी लाइटिंग एवं बंगाल से आए कारीगरों द्वारा परिसर को फूलो से भव्य रूप सजाया गया। सभी दरबारों में देवी-देवाताओं को जरी युक्त विशेष पोशाक पहनाई गई।

हकृवि के कर्मचारियों को मिला पदोन्नति का तोहफा

हिसार। एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी नॉन टीचिंग स्टाफ एसोसिएशन के प्रधान सुनील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज के नेतृत्व में कर्मचारियों के प्रति लगातार सराहनीय कदम उठाए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में चार क्लर्क संदीप, ज्योति रानी, नवीन दुहन व राहुल कुमार को सहायक व पांच जूनियर स्केल स्टेनोग्राफर मोनिका, हेमंत, संजय, नीतिन व सोनू को सीनियर स्केल स्टेनोग्राफर के पद पर पदोन्नत किया गया है। सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार जताया।

पीओ स्टाफ ने पकड़कर किया था उकलाना पुलिस के हवाले

नागरिक अस्पताल में चकमा देकर आरोपी फरार, तलाश में जुटी पुलिस

पीओ स्टाफ ने पकड़कर किया था उकलाना पुलिस के हवाले

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। नागरिक अस्पताल का आपातकालीन कक्ष, जहां से आरोपी फरार हो गया।

जिले के नागरिक अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए लाया गया एक आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। जैसे ही पुलिस कर्मियों को उसके फरार होने का पता चला, उनके हाथ-पांव फूल गए और उन्होंने उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी। मिली जानकारी के अनुसार उकलाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर निवासी अनित को किसी मामले में गिरफ्तार करके नागरिक अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए लाया गया था।

- मेडिकल जांच के लिए लेकर आई थी हिसार पुलिस

दोपहर करीब डेढ़ बजे पुलिस कर्मी अपनी कागजी कार्रवाई में व्यस्त थे कि अनित अचानक उन्हें चकमा देकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि पीओ स्टाफ टीम ने आरोपी अनित को वर्ष 2017 के एक मामले में पकड़कर उकलाना पुलिस थाना के हवाले किया था। पुलिस आरोपी को अदालत में पेश करने की प्रक्रिया में थी और मेडिकल परीक्षण के लिए जिले के नागरिक अस्पताल लेकर आई थी। इसी दौरान आरोपी अनित नागरिक अस्पताल के आपातकालीन कक्ष के सामने पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। बता दें कि उकलाना पुलिस थाना में 29 वर्षीय अनित के खिलाफ पुलिस ने 22 फरवरी 2017 को सार्वजनिक स्थल पर अश्लील हरकतें करने, मारपीट व गलत इरादे से घर में घुसने समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया था।घटना के बाद पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया और तुरंत इलाके में नाकाबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया गया। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि आरोपी के फरार होने की दिशा और मददगारों का पता लगाया जा सके। आरोपी के फरार होने की सूचना के बाद पुलिस के उच्चाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

अवैध हथियार सहित एक काबू, एक देशी पिस्तौल व कारतूस बरामद

नारनौंद। सीआईए स्टाफ ने अवैध हथियार देशी पिस्तौल व छह कारतूस सहित एक युवक को पकड़ा है। आरोपित युवक की पहचान कोथ कलां निवासी बंसी के रूप में हुई हैं। जिसको कोर्ट में पेश करके एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। सीआईए स्टाफ नारनौंद में तैनात मुख्य सिपाही कुलदीप ने बताया कि सीआईए स्टाफ नारनौंद पुलिस को गश्त पड़ताल दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति गांव कोथ कलां से नाड़ा सड़क मार्ग पर नहर पर खड़ा है। अगर तुरंत प्रभाव से दबिश दी जाए तो पकड़ा जा सकता है। सीआईए स्टाफ नारनौंद पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए टीम का गठन कर मौके पर पहुंचकर गुप्त सूचना अनुसार बताए गए व्यक्ति को हिरासत में लेकर व्यक्ति की तलाशी ली तो व्यक्ति के पास से एक अवैध हथियार पिस्तौल सहित छह कारतूस मिले। आरोपी को न्यायालय में पेश करके एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

नशा निरोधक पुलिस टीम को मिली सफलता

39 किलोग्राम 430 ग्राम गांजा सहित एक गिरफ्तार

हिसार। गांजा सहित पकड़ा गया आरोपी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

नशा निरोधक पुलिस टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने गांव बालक में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को काबू कर उसके कब्जे से 39 किलोग्राम 430 ग्राम गांजा बरामद किया है।

- दूसरा आरोपी मौके से हो गया फरार

पुलिस टीम गश्त के दौरान थी। तभी उन्हें गांव बालक स्थित एक मकान में भारी मात्रा में नशीला पदार्थ होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर पुलिस टीम तुरंत बताए गए स्थान पर पहुंची। पुलिस की मौजूदगी भांपते ही एक व्यक्ति मौके से भाग निकला, जबकि एक व्यक्ति को मौके पर काबू कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम बालक गांव निवासी कपिल बताया। व्यक्ति की पहचान गांव के ही नसीब के रूप में हुई। तलाशी लेने पर मकान में रखे एक बेड से कुल 8 पैकेट गांजा बरामद हुए, जिनका कुल वजन 39 किलोग्राम 430 ग्राम पाया गया। बरामद गांजा को कब्जे में लेकर पुलिस ने आरोपी कपिल और नसीब के खिलाफ थाना बरवाला में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। आरोपी कपिल को गिरफ्तार करके उससे पूछताछ की जा रही है जबकि फरार हुए आरोपी नसीब की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी है।

संदीप भारती को बनाया सर्वजातीय गणतांत्रिक परिवार का अध्यक्ष

नारनौंद। ऐतिहासिक गांव राखीगढ़ी के चबूतरे पर बाराहा खाप के अंतर्गत आने वाले गांव के लोगों की एक पंचायत हुई जिसमें सर्व समिति से संदीप लोहान को सर्वजातीय गणतांत्रिक परिवार का अध्यक्ष चुना गया। मास्टर चंद्र प्रकाश मिर्चपुर को संयोजक और शिक्षा विभाग से रिटायर्ड डिप्टी जॉइंट डायरेक्टर जयबीर ढांडा को मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया। संयोजक मास्टर चंद्र प्रकाश ने बताया कि इस मंच का गठन समाज में फैली जातिवाद को मिटाने में अहम रोल अदा करेगा। 36 बिरादरी के लोगों की भलाई के लिए कार्य किए जाएंगे। समाज में फैली कुरीतियों को मिटाने के लिए गांव गांव जाकर जन जागरण अभियान चलाया जाएगा।

पुलिस ने सुलझाई मंगाली आकलन निवासी मदन लाल के ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

सीआईए टीम ने मंगाली आकलन निवासी मदन लाल की ब्लाइंड मर्डर वारदात को सुलझाने में बड़ी सफलता हासिल की है। इसके साथ आरोपियों ने एक और मर्डर की वारदात कबूली है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान मंगाली निवासी रेखा, मेहंदा निवासी मनदीप व प्रवेश के रूप में हुई है। सीआईए प्रभारी उप-निरीक्षक कर्ण सिंह ने बताया कि आरोपियों ने आपसी विवाद के चलते मदन लाल की हत्या करने की योजना बनाई थी। योजना के तहत रेखा ने मदन लाल के अपने घर आने की सूचना मनदीप और प्रवेश को दी। इसके बाद दोनों आरोपी कार में सवार होकर वहां पहुंचे और मदन लाल की स्कूटी को टक्कर मार दी। स्कूटी से गिरने के बाद दोनों ने लोहे के पाइप से मदन लाल के सिर में वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। जांच में सामने आया कि मनदीप वाहन फाइनेंस का काम करता है, प्रवेश राजनीतिक विज्ञान में अंतिम वर्ष का छात्र है, जबकि रेखा मेहनत-मजदूरी का कार्य करती है।

- तीन आरोपी गिरफ्तार, एक अन्य मर्डर की वारदात भी कबूली

हिसार। महिला सहित पकड़े गए तीनों आरोपी।

आपसी विवाद में की हत्या

25 अक्टूबर को मंगाली आकलन निवासी मदन लाल रोड पर गंभीर चोटों के साथ बेसुध अवस्था में पाया गया था। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। मृतक के पुत्र जयचंद निवासी मंगाली की शिकायत पर थाना आजाद नगर में हत्या का मामला दर्ज किया गया था। इस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उपरोक्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एशिया मास्टर्ज एथलेटिक चैंपियनशिप 5 से चेन्नई में

हिसार। चैन्नई में 5 नवंबर से शुरू होने वाली 23वीं एशिया मास्टर्ज एथलैटिक चैंपियनशिप में भारतीय दल से हरियाणा के 109 खिलाड़ी दल हिस्सा लेंगे। इनमें 88 पुरुष व 21 महिलाए खिलाड़ी शामिल है। टीम का नेतृत्व मास्टर एथलैटिक फाउंडेशन ऑफ हरियाणा के महासचिव चरणजीत सिंह झाझड़िया करेंगे। चैंपियनशिप में कुल 22 देश के 3312 खिलाड़ी जिसमें 2246 पुरुष 1060 महिलाएं अपना दमखम दिखाएंगे। महासचिव चरणजीत सिंह झाझड़िया ने बताया कि हिसार से शामिल खिलाड़ियों ने अमर सिंह, मेजपाल सिंह, इन्द्रजीत सांगवान, राजपाल धनखड़, अजमेर ढांडा, राजेन्द्र डांगी, सतबीर पुनिया, जयबीर सिंह, शशि भूषण, प्रेमजीत सिंह, भीम सिंह पुनिया, हेतराम, जोगीराम, दिलबाग, चरणजीत सिंह, रघुबीर बैनिवाल, अश्वनी मेहता, हरपाल सिंह, राजेश कुमार, सुखबीर ढांडा, योगिन्द्र हुड्डा, स्वरूप सिंह, सोहन सिंह, औम प्रकाश, भरथ सिंह पुनियां, राजेश बैनिवाल, कृष्णा देवी, बिमला देवी, सुशीला देवी, सुनीता देवी व ममता शामिल है।

- भारतीय दल में शामिल खिलाड़ियों में अकेले 109 खिलाड़ी हरियाणा से

हैंडबॉल प्रतियोगिता में लाडवा का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी ट्रॉफियों के साथ।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में दो दिवसीय जिला स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, लाडवा में किया गया। कोच अशोक पूनिया व कोच महावीर पूनिया ने बताया कि लड़कियां के मिनी वर्ग में शंकराए डिफेंस एकेडमी ने प्रथम, लाडवा ने द्वितीय, सब-जूनियर वर्ग में सातरोड़ खुर्द ने प्रथम, शंकराए डिफेंस एकेडमी ने द्वितीय, जूनियर वर्ग में उमरा ने प्रथम, लाडवा ने द्वितीय तथा सीनियर वर्ग में उमरा ने प्रथम व लाडवा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। लड़के के मिनी वर्ग में लाडवा ने प्रथम, धांसू ने द्वितीय, सब-जूनियर वर्ग में लाडवा ने प्रथम, धांसू ने द्वितीय, जूनियर वर्ग में घिराए ने प्रथम, धांसू ने द्वितीय तथा सीनियर वर्ग में हिसार ने प्रथम व लाडवा ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

- पटेल जयंती पर जिला स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष हर्ष बामल रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रवीण सैनी व पूर्व क्रिकेटर कुलदीप पूनिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर मधु बाला, सुरजीत पूनिया, डीपीई. दीपक पंवार, फाउंडेशन प्रधान प्रदीप लांबा, कोच संदीप पूनिया, नवीन पूनिया, राजेंद्र बूरा, सतबीर रायपुर, सतबीर पानू, उमेश शर्मा, आदि मौजूद रहे।

गुजवि में रोहन ने इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में जीता स्वर्ण पदक

हिसार। इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाला रोहन अपने कोच साहिल थरेजा के साथ।

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में हुई बैडमिंटन प्रतियोगिता में स्थानीय शटल मास्टर बैडमिंटन एकेडमी के खिलाड़ी रोहन ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर अपना व एकेडमी का नाम रोशन किया है। रोहन के बेहतर प्रदर्शन से उसका इंटर यूनिवर्सिटी के लिए चयन हो गया है। कोच साहिल थरेजा ने बताया कि एकेडमी के अनेक खिलाड़ी समय-समय पर अपने-अपने आयु वर्ग में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न मैडलों को अपनी झोली में डाल रहे हैं।

दादा देवराज जयंती पर उमड़ा जनसैलाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

दादा देवराज जयंती के अवसर पर शुक्रवार को शहर के दादा देवराज मंदिर में देशभर से आए श्रद्धालुओं ने मत्था टेककर आशीर्वाद लिया। इस दौरान हवन यज्ञ, रक्तदान शिविर, भंडारे और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री बिजेंद्र लोहान ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि युवाओं को मुश्किलों से घबराना नहीं चाहिए बल्कि उनका डटकर मुकाबला करना चाहिए। इस दौरान मेधावी छात्रों, समाजसेवियों और उच्च पदों पर आसीन लोगों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 190 यूनिट रक्तदान एकत्रित किया गया। इस अवसर पर एक भव्य मेला भी लगाया गया और हजारों श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था जताते हुए मंदिर में माथा टेका।

- श्रद्धालुओं ने मत्था टेक कर लिया आशीर्वाद

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में दीपक शांडिल्य, शमशेर उर्फ कूकन लोहान और एसडीएम विकास यादव भी मौजूद थे। मेधावी छात्रों में दक्ष लोहान, अंजलि लोहान, अलीशा, मुकेश व शकुंतला, कल्पना, पीयूष, नवीन कुमार, परमवीर लोहान आदि शामिल थे। इस अवसर पर दादा देवराज खेलकूद एवं जनहित समिति के राष्ट्रीय प्रधान शमशेर सिंह लोहान, सतपाल लोहान, मुख्यत्यार सिंह, कैशियर एडवोकेट संदीप लोहान, मनीष, अजय लोहान, मुकेश लोहान आदि मौजूद थे।

खेतों से बरसाती पानी की निकासी नहीं होने पर किसान हुए चिंतित

हरिभूमि न्यूज ⏭ आदमपुर

क्षेत्र के कई गांवों के खेतों में बरसाती पानी का जमाव होने के कारण किसान रबी की फ़सल की बुवाई को लेकर चिंतित है। क्षेत्र के गांवों कोहली, खैरमपुर, सारंगपुर व महलसरा इत्यादि की सैंकडो एकड़ ज़मीन पर बरसाती मौसम का पानी अभी तक भरा हुआ है।

ख़रीफ़ की फ़सलें तो पूरी तरह बर्बाद हो ही गई थी अब रबी की फ़सल सरसों की बुआई का समय भी पूरी तरह निकल चुका है और गेहूं की बुवाई को लेकर भी किसान चिंतित है। अगर पानी की यही स्थिति रही तो सैंकड़ो एकड़ ज़मीन ख़ाली रह जाएगी तथा किसानों को भारी नुक़सान होगा। कुछ लोगों का अनुमान है कि भूमिगत जल स्तर ऊपर आ चुका है और यह स्थिति होने के कारण ज़मीने पानी सोख नहीं रही। किसान राजेंद्र और बलवान ने बताया कि क्षेत्र में पिछले कुछ सालों से भूजल स्तर निरंतर रूप पर आ रहा है। इस बार हुई अतिवृष्टि ने हालात बदतर कर दिए। किसानों ने मांग की है कि इस पानी की निकासी की व्यवस्था करवाई जाए ताकि वो लोग अपने खेतों में गेहूं आदि की बुआई कर सकें अन्यथा आर्थिक हालात बेहद ख़राब हो जाएंगे। किसानों ने ख़रीफ़ की फसलों के मुआवज़े की भी शीघ्र निपटान की मांग की है।

- रबी की फ़सल की बुवाई को लेकर आ रही परेशानी

बैठक | किसान यूनियन (एकता सिद्धपुर) ने खराब फसलों का मुआवजा मांगा

सरकार पर लगाया अन्याय करने का आरोप

किसानों ने पराली जलाने पर दर्ज मुकदमों का किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

रामायण टोल प्लाजा पर शनिवार को किसान यूनियन (एकता सिद्धपुर) की बैठक जिला अध्यक्ष दशरथ मलिक की अध्यक्षता में हुई। बैठक में किसानों ने पराली जलाने पर दर्ज मुकदमों का विरोध किया और फसल खराब होने पर मुआवजे की मांग की। इस अवसर पर दशरथ मलिक कहा कि हरियाणा सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने पराली जलाने वाले किसानों पर मुकदमे दर्ज करने को गलत बताया। मलिक ने चेतावनी दी कि यदि किसी किसान के खिलाफ कार्रवाई की गई तो भारतीय किसान यूनियन इसका पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि जिन खेतों में जलभराव के कारण फसलें खराब हुई हैं, वहां सरकार को जल्द से जल्द मुआवजा देना चाहिए। जिससे किसानों को आर्थिक राहत मिल सकेगी। बैठक में रामायण टोल प्लाजा कमेटी प्रधान कैलाश मलिक, राजू खरड़, उप प्रधान नसीब सातरोड़, प्रदेश सचिव कृष्ण देपल, जिला संगठन सचिव जगबीर ढंढेरी, ब्लॉक प्रधान हांसी प्रदीप बामल और शहरी प्रधान हांसी सहित कई किसान पदाधिकारी मौजूद थे।

- किसी भी कार्रवाई का विरोध करेगी किसान यूनियन

हांसी। रामायण टोल प्लाजा पर आयोजित बैठक में भाग लेते किसान

खराब फसलों का सर्वे करवाया जाए

बैठक में किसानों ने एक स्वर में सरकार से मांग की कि किसानों पर दर्ज किए गए मुकदमें वापस लिए जाएं और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित फसलों का सर्वे कर उचित मुआवजा तुरंत दिया जाए। उल्लेखनीय है कि पुलिस द्वारा पराली जलाने वाले किसानों पर मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं, और हिसार जिले में भी ऐसे कई मामले सामने आए हैं।

स्मॉल कैप फंड्स ने 26 फीसदी तक दिया रिटर्न

भर दी निवेशकों की झोली

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स हमेशा से हाई रिटर्न के लिए जाने जाते रहे हैं। हालांकि इनके रिटर्न पर बाजार से जुड़े उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ता है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि लंबी अवधि में पॉजिटिव रिटर्न मिलने की गुंजाइश काफी अधिक रहती है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की वेबसाइट पर जिन 13 स्मॉल कैप फंड्स के पिछले 10 साल के आंकड़े मौजूद हैं, उनमें से किसी के भी डायरेक्ट प्लान का सालाना रिटर्न (सीएजीआर) 14% से कम नहीं है। यही नहीं, इनमें से टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने लंपसम निवेश पर पिछले 10 साल में 19 से 21% फीसदी तक एनुअल रिटर्न दिया है।

- एसबीआई, एचडीएफसी समेत कई फंड्स का बेहतरीन प्रदर्शन
- 5 स्मॉल कैप फंड्स ने 7 गुना तक कर दी लंपसम की रकम
- 10 साल में एसआईपी पर 19 से 26 फीसदी तक रिटर्न दिया
- 1 लाख के लंपसम से 7 लाख तक का फंड तैयार हुआ
- इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी बेहतर तरीका

एसआईपी पर भी ऊंचा रिटर्न

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने पिछले 10 साल में लंपसम के साथ ही साथ सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी 19% से लेकर 26% तक एनुअलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। इस शानदार रिटर्न की बदौलत इन फंड्स ने 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 10 साल में 7 लाख रुपये तक बना दिया है, जबकि 10 हजार रुपये की एसआईपी से 10 साल में 47.5 लाख रुपये तक का फंड जमा हुआ है।

ये टॉप 5 स्कीम

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स की लिस्ट में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड, एक्सिस म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम्स शामिल हैं।

लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट क्यों है बेहतर

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के पिछले आंकड़ों के तमाम विश्लेषण यही बताते हैं कि इनमें लंबी अवधि के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।हाल ही में आई ऐसी ही एक रिपोर्ट के मुताबिक निफ्टी स्मॉल कैप 250 इंडेक्स का 10 साल की एसआईपी का मंथली रोलिंग रिटर्न (एक्सआरआरआर) 99% समय पॉजिटिव रहा है। यानी अगर इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी उसका बेहतर तरीका है।

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले टॉप फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 21.51 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 7,01,649 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.96 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 42,63,065 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64 %

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 20.42 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,41,189 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.99 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 47,56,696 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.71 %

एक्सिस स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.91 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,14,545 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.01 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,35,386 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.57%

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.54 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,95,844 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.43 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,17,373 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.68%

एसबीआई स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,90,878 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 20.13%%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 34,65,264 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.76%

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट

ऊपर दी गई सभी स्कीम समेत तमाम स्मॉल कैप फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत अधिक रिस्क की रेटिंग दी जाती है। अलग-अलग मार्केट कैप पर आधारित म्यूचुअल फंड्स में भी स्मॉल कैप को मिड कैप और लार्ज कैप की तुलना में ज्यादा रिस्की माना जाता है। यानी स्मॉल कैप फंड हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट की कैटेगरी में आते हैं। इसके अलावा म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए इनमें निवेश के बारे में कोई फैसला करने से पहले अपनी रिस्क लेने की क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए।

क्या है स्मॉल कैप फंड्स

स्मॉल कैप फंड्स एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करता है। इन कंपनियों की मार्केट कैपिटलाइजेशन कम होती है, लेकिन इनमें उच्च विकास क्षमता होती है। स्मॉल कैप फंड्स की विशेषताएं

1. **उच्च विकास क्षमता:** स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे इनके शेयरों की कीमतें बढ़ सकती हैं।
2. **जोखिम:** स्मॉल कैप फंड्स में जोखिम अधिक होता है, क्योंकि छोटी कंपनियों की वित्तीय स्थिति अस्थिर हो सकती है।
3. **विविधीकरण:** स्मॉल कैप फंड्स में निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
4. **लंबी अवधि के लिए निवेश:** स्मॉल कैप फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए, ताकि आप बाजार की अस्थिरता को सहन कर सकें।

स्मॉल कैप फंड्स के लाभ

1. **उच्च रिटर्न:** स्मॉल कैप फंड्स उच्च रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:**निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
3. **नई कंपनियों में निवेश:** आपको नई व तेजी से बढ़ती कंपनियों में निवेश का अवसर मिलता है।

एसआईपी का दमदार प्रदर्शन

5 म्यूचुअल फंड ने दिया 20% से ज्यादा रिटर्न

279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 ने पॉजिटिव रिटर्न दिया

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के कमाया बढ़िया मुनाफा

बिजनेस डेस्क

पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। पिछले साल यानी 2024 की दिवाली से लेकर अब तक 279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 फंड्स ने पॉजिटिव रिटर्न दिया। यानी इनमें निवेश करने वाले निवेशकों को मुनाफा हुआ। वहीं, सिर्फ तीन फंड्स ऐसे रहे जिन्होंने निवेशकों को नुकसान पहुंचाया। सबसे खास बात यह है कि 10 ऐसे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स हैं जिन्होंने एसआईपी यानी एक तय रकम हर महीने निवेश करने वालों को 20% से भी ज्यादा का सालाना रिटर्न दिया है। पिछली दिवाली से लेकर अब तक एक साल में कई म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ फंडों के बारे में जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकते हैं।

ग्रो मल्टीकैप फंड

इस लिस्ट में सबसे ऊपर ग्रो मल्टीकैप फंड का नाम है। इसने एसआईपी निवेश पर सबसे ज्यादा करीब 26% रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि अगर आपने इस फंड में हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो पिछली दिवाली से अब तक आपके निवेश की कीमत लगभग 1.10 लाख रुपये हो जाती। यानी आपके लगाए हुए पैसों से ज्यादा का मुनाफा हुआ।

इनवेस्को इंडिया मिडकैप फंड

इनवेस्को इंडिया मिडकैप फंड ने भी निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। इसने इसी अवधि में 24.69% का शानदार दिया। मिडकैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं जिनका मार्केट कैप मीडियम होता है यानी वे बहुत बड़ी भी नहीं होतीं और बहुत छोटी भी नहीं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के प्रकार

- **लार्ज कैप फंड्स :** ये फंड्स बड़ी मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **मिड कैप फंड्स :** ये फंड्स मध्यम आकार की कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **स्मॉल कैप फंड्स :** ये फंड्स छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **मल्टीकैप फंड्स :** ये फंड्स विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **फोकस्ड फंड्स :** ये फंड्स सीमित संख्या में शेयरों में निवेश करते हैं।
- **सेक्टोरल फंड्स :** ये फंड्स विशिष्ट क्षेत्रों में निवेश करते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लाभ

- **विविधीकरण :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।
- **पेशेवर प्रबंधन :** फंड मैनेजर द्वारा प्रबंधन किया जाता है, जो निवेश के निर्णय लेते हैं।
- **लिक्विडिटी :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश आसानी से निकाला जा सकता है।
- **कर लाभ :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स पर कर लाभ उपलब्ध हो सकता है।

निवेश से पहले विचार करने योग्य बातें

- **जोखिम सहनशक्ति :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में जोखिम होता है, इसलिए निवेश से पहले अपनी जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन करें।
- **निवेश अवधि :** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए।
- **विविधीकरण :** अपने पोर्टफोलियो को विविध बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के फंड्स में निवेश करें।

हेलिओस लार्ज एंड मिड कैप फंड

हेलिओस लार्ज एंड मिड कैप फंड और आईसीआईसीआई प्रू फ्लेक्सीकैप फंड ने भी निवेशकों को निराश नहीं किया। इन्होंने क्रमश 23.82% और 23.22% का एक्सआईआरआर दिया। फ्लेक्सीकैप फंड्स की खासियत यह होती है कि फंड मैनेजर किसी भी साइज की कंपनी में निवेश करने के लिए स्वतंत्र होते हैं, चाहे वह लार्ज-कैप हो, मिड-कैप हो या स्मॉल-कैप।

मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड

मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड ने 22.33% का एक्सआईआरआर दिया। इस फंड में अगर किसी ने हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो आज उसके निवेश की कीमत लगभग 1.33 लाख रुपये हो जाती। यह दिखाता है कि एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में कैसे अच्छी खासी रकम जमा की जा सकती है।

कोटक फोकस्ड फंड

कोटक फोकस्ड फंड ने भी 22.06% का एक्सआईआरआर दर्ज किया। फोकस्ड फंड्स में फंड मैनेजर कुछ चुनिंदा स्टॉक्स में ही निवेश करते हैं, जिससे उनका फोकस बना रहता है। इनके अलावा मीरा एसेट मिडकैप फंड ने 20.55% का एक्सआईआरआर दिया। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के दो फंड्स ने भी 20% के आंकड़े को पार किया।

निवेश की ऐसे प्लानिंग करेंगे तो भविष्य में कभी नहीं होगी पैसों की टेंशन

उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, 20 में रिस्क 30 में बैलेंस और 40 साल में ग्रोथ जरूरी

उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है

20 साल की उम्र रिस्क लेने का समय होता है, काम करने की क्षमता अधिक होती

30 साल की उम्र में बैलेंस और 40 साल की उम्र में ग्रोथ पर फोकस जरूरी होता है

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या अपनी निवेश यात्रा करना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य, परिवार, इनकम और बच्चों की की स्थित को देखकर ही निवेश यात्रा शुरू करें। बेहतर प्लानिंग के साथ निवेश करेंगे तो भविष्य में आसानी होगी और आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे। कहते हैं उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है। 20 साल की उम्र में जहां रिस्क लेने का समय होता है, काम करने की क्षमता अधिक होती है, वहीं 30 साल की उम्र में बैलेंस और 40 साल की उम्र में ग्रोथ पर फोकस जरूरी होता है। अगर आप उम्र के हिसाब से सही फाइनेंशियल प्लानिंग करते हैं, तो न सिर्फ रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड बना सकते हैं, बल्कि जिंदगी भर पैसों की चिंता से भी दूर रह सकते हैं। आज के वक्त में फाइनेंशियल सिक्योरिटी सिर्फ जरूरत नहीं, बल्कि एक आदत बननी चाहिए। ताकि आर्थिक रूप से परेशान न हों और भविष्य हर तरह से बढ़िया रहे। हम सब मेहनत तो करते हैं, लेकिन कमाई का सही इस्तेमाल तभी होता है जब उसके पीछे एक सटीक फाइनेंशियल प्लान हो। बहुत से लोग कहते हैं कि पैसे बचाने की शुरुआत बाद में करेंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि जितनी जल्दी प्लानिंग शुरू करेंगे, उतना मजबूत होगा आपका फ्यूचर हर दशक अपने साथ नई जिम्मेदारियां और अवसर लेकर आता है। 20 साल की उम्र में में जहां रिस्क लेने का समय होता है, वहीं 30 साल की उम्र में में जिम्मेदारियों और इन्वेस्टमेंट में बैलेंस बनाना जरूरी होता है। साल की उम्र में आते-आते सेफ्टी और ग्रोथ पर फोकस करना समझदारी बन जाती है। अगर आप उम्र के हिसाब से फाइनेंशियल फैसले लेते हैं, तो न सिर्फ एक मजबूत रिटायरमेंट फंड बना सकते हैं, बल्कि जिंदगी भर पैसों की चिंता से आजादी भी पा सकते हैं।

बजट बनाना सीखें

अपनी कमाई और खर्च का हिसाब रखें। 80/20 का नियम अपनाएं यानी 80% खर्च और 20% बचत या निवेश। इससे आपको अपने पैसों का फ्लो समझ आएगा और आप बेवजह खर्चों को कंट्रोल कर पाएंगे।

इमरजेंसी फंड बनाएं

हर महीने के खर्च का 3 से 6 महीने तक का फंड अलग रखें। जैसे अगर आपका खर्च 25,000 रुपये महीना है, तो कम से कम 75,000-1,50,000 रुपये का इमरजेंसी फंड जरूर होना चाहिए, ताकि किसी भी परेशानी के समय यह काम आ सके और आपको किसी के मुह की ओर न देखना पड़े।

इंश्योरेंस लेना न भूलें

कम उम्र में प्रीमियम सस्ता होता है। हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस दोनों लें, ताकि मेडिकल और लाइफ रिस्क से सुरक्षा बनी रहे। कोई भी परेशानी आने पर परिवार पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

जल्दी निवेश शुरू करें

कम्पाउंडिंग की ताकत का फायदा तभी मिलता है जब शुरुआत जल्दी की जाए। एसआई और पीपीएफ जैसी स्कीम में निवेश कर सकते हैं। इसमें निवेश सुरक्षित है और महंगाई को मात देना वा रिटर्न भी मिलता है।

जानकारी
बिजनेस डेस्क

30 साल की उम्र जिम्मेदारियों व निवेश में बैलेंस का समय

इस दशक में शादी, बच्चों की पढ़ाई और घर की प्लानिंग जैसी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में बैलेंस बनाना जरूरी हो जाता है।

फाइनेंशियल गोल्स अपडेट करें

बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों को री-इवैल्यूएट करें। हर 2 साल में अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें।

एसआईपी बढ़ाते रहें

सैलरी बढ़ने के साथ हर साल अपनी एसआईपीमें 10-15% इजाफा करें. कोशिश करें कि इनकम का 30-40% निवेश में लगाएं।

एसेट एलोकेशन पर ध्यान दें

40% इक्विटी, 40% डेट और 20% गोल्ड या पीपीएफ जैसे सुरक्षित निवेश रखें। इससे रिस्क और रिटर्न में सही संतुलन बना रहेगा।

एनपीएस में निवेश करें

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) टैक्स छूट देता है और रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार करता है।

कर्ज चुकाने की योजना बनाएं

अगर कोई लोन है, खासकर हाई इंटरेस्ट वाला, तो उसे पहले खत्म करें। ईएमआई के बोझ को घटाना फाइनेंशियल फ्रीडम की दिशा में बड़ा कदम है।

40 साल की उम्रः ग्रोथ और सुरक्षा पर फोकस करने का दशक

अब आपकी कमाई चरम पर होती है, लेकिन रिटायरमेंट भी ज्यादा दूर नहीं होता। इसलिए रिस्क घटाकर ग्रोथ और सुरक्षा पर फोकस करें।

रिटायरमेंट फंड का आकलन करें

महंगाई को ध्यान में रखते हुए अपने सालाना खर्च का 50 गुना फंड बनाना लक्ष्य रखें. उदाहरण के लिए, अगर आपका मासिक खर्च 50,000 रुपये है, तो रिटायरमेंट कॉर्पस करीब 3 करोड़ रुपये होना चाहिए।

रिस्क कम करें, सुरक्षा बढ़ाएं

धीरे-धीरे इक्विटी से पैसा निकालकर डेट फंड्स, बॉन्ड्स या फिक्स्ड इनकम ऑप्शंस में डालें।

इंश्योरेंस कवरेज जांचें

सुनिश्चित करें कि हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस आज की जरूरतों के हिसाब से पर्याप्त हैं।

कर्ज मुक्त होने का लक्ष्य रखें

रिटायरमेंट से पहले घर या कार जैसे बड़े लोन पूरी तरह चुका दें। इससे आपकी भविष्य की इनकम पर बोझ नहीं पड़ेगा।

अधूरे दस्तावेज या अधूरी जानकारी के साथ निवेश की शुरुआत नहीं हो सकेगी

अभी तक कई मामलों में अकाउंट केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही खुल जाता था

म्यूचुअल फंड निवेश प्रक्रिया में हो रहे हैं अहम बदलाव, निवेशकों पर क्या होगा असर

अब से पहले, म्यूचुअल फंड्स के निवेशकों को अपने निवेश के रिस्क पैरामीटर्स की जानकारी महीने के अंत में मिलती थी, यह जानकारी हर महीने के 15 दिन के भीतर उपलब्ध होगी।

एक बार फिर म्यूचुअल फंड प्रक्रिया में बदलाव हो रहे हैं। इसका निवेशकों पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है। इसके कुछ फायदे होंगे तो कुछ नुकसान भी निवेशकों को भुगतने पड़ सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप भी निवेशक हैं या निवेश यात्रा शुरू करने जा रहे हैं तो आप अलर्ट हो जाएं और सभी दस्तावेजों को जांचके के बाद ही निवेश यात्रा शुरू करें। बताया जा रहा है कि मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा एक बार फिर म्यूचुअल फंड के नियमों में रिफॉर्म का प्रपोजल लाया गया है। सेबी ने निवेशकों और एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) को हो रही दिक्कतों को कम करने के लिए नए म्यूचुअल फंड फोलियो में पहली बार किए जाने वाले निवेश (पहला ट्रांजैक्शन) की प्रक्रिया को एक जैसा (स्टैंडर्ड) बनाने का प्रस्ताव दिया है। सेबी ने प्रस्ताव रखा है कि अब म्यूचुअल फंड अकाउंट केवल तब ही खोले जा सकेंगे जब निवेशक की केवाईसी प्रक्रिया पूरी तरह से सत्यापित हो जाएगी। हलांकि सेबी की तरफ से की जा रही इस कार्यवाही से निवेशकों को लाभ ही होगा और वे किसी भी तरह के फर्जीवाड़े से बच सकेंगे।

निवेशकों के हितों के लिए जरूरी

असल में मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा समय समय पर म्यूचुअल फंड के नियमों में कुछ न कुछ बदलाव किया जाता है, ताकि निवेशकों का हित बना रहे, साथ ही एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को भी आसानी हो। बीते कुछ सालों में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का लोकप्रियता निवेशकों के बीच बहुत ज्यादा बढ़ी है। इंडस्ट्री का कुल एयूएम 75 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। ऐसे में सेबी समय समय पर यह ध्यान रखती है कि नियमों में कुछ बदलाव किया जाए या रिफॉर्म किया जाए। बीते कुछ महीनों में सेबी ने कुछ बदलाव या रिफॉर्म किए हैं और आगे के लिए भी कुछ प्रपोजल है। ये निवेशकों को म्यूचुअल फंड में निवेश के दौरान बड़ी राहत देने का काम करेंगे। आप भी निवेश करने जा रहे हैं अपने दस्तावेजों को साथ रख लें।

सेबी म्यूचुअल फंड के नियमों में रिफॉर्म का प्रपोजल लाया, सभी दस्तावेज देने होंगे

नए प्रपोजल के क्या हैं मायने

अब अधूरे दस्तावेज या अधूरी जानकारी के साथ निवेश की शुरुआत नहीं की जा सकेगी। अभी की बात करें तो कई मामलों में निवेशक का अकाउंट केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही खुल जाता है, जिससे आगे चलकर उन्हें ट्रांजेक्शन, रिडेम्पशन और डिविडेंड पाने में परेशानी होती है। इसी को रोकने के लिए सेबी यह नया सिस्टम लागू करने जा रहा है। नया सिस्टम लागू होने के बाद पूरी पारदर्शिता के साथ लोग निवेश कर पाएंगे और अपने निवेश को सुरक्षित भी रख सकेंगे। जब एमएसी (एसेट मैनेजमेंट कंपनी) को अकाउंट खोलने के लिए जरूरी दस्तावेज मिल जाएं और केवाईसी प्रक्रिया पूरी हो जाए, तभी नया फोलियो बनाया जाएगा। केवाईसी पूरी होने के बाद, एएमसी कंपनी इन दस्तावेजों को केवाईसी रजिस्ट्रेशन एजेंसी (केआर) को भेजेगी, जो केवाईसी की अंतिम जांच करेगी।

डिस्क्लोजर नियमों में बदलाव

एएफएफआई और सेबी ने छोटे निवेशकों की सुरक्षा के लिए डिस्क्लोजर नियमों में बदलाव किया है। निवेशकों को अपने निवेश के लिए अधिक स्पष्ट और विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का अधिकार होगा। यह नियम निवेशकों को उनके निवेश के लिए सही और समय पर जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा।

कट-ऑफ टाइम में बदलाव

इस साल सेबी ने ओवरनाइट म्यूचुअल फंड स्कीम्स के लिए कट-ऑफ टाइम में बदलाव किया है। 1 जून 2025 से ऑफलाइन लेनदेन का समय दोपहर 3 बजे तक हो गया है। ऑनलाइन लेनदेन का समय शाम 7 बजे तक है। इन समयों के बाद किए गए लेनदेन अगले कारोबारी दिन प्रोसेस होंगे, जिससे एनएवी (नेट एसेट वैल्यू) बदल सकती है। बदलाव प्लेजिंग (गिरवी रखने) की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए किया गया है।

एनएफओ को लेकर क्या बदलाव

एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) से जुटाए गए पैसों को तय समय में निवेश करना होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते, तो निवेशक बिना एग्जिट लोड दिए अपना पैसा निकाल सकते हैं। यह नियम एएमसी को जरूरत से ज्यादा पैसा जुटाने से रोकेगा और सही जगह निवेश सुनिश्चित करेगा। इसके लिए 30 दिन का समय निर्धारित है।

स्ट्रेस टेस्ट के नतीजे बताने होंगे

म्यूचुअल फंड स्कीम्स को स्ट्रेस टेस्ट के नतीजे बताने होंगे, ताकि निवेशकों को स्कीम की वित्तीय स्थिति का सही अंदाजा हो सके। एएमसी कर्मचारियों की सैलरी का कुछ हिस्सा म्यूचुअल फंड स्कीम्स में लगाया जाएगा। कितना पैसा और किन स्कीम्स में निवेश होगा, यह उनकी भूमिका पर निर्भर करेगा। इससे कर्मचारियों और निवेशकों का हित एक जैसा होगा।

खबर संक्षेप

बरसीन मार्ग पर फिर से जलभराव, परेशानी

फतेहाबाद। मुख्यमंत्री के दो दिवसीय फतेहाबाद दौरे के दौरान जहां पूरा प्रशासन सडक़ों पर सक्रिय नजर आया, वहीं उनके प्रस्थान के मात्र एक दिन बाद ही शहर की व्यवस्थाएं फिर ढर्रे पर लौट आई हैं। फतेहाबाद से बरसीन की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग की हालत इसका बड़ा उदाहरण बन गई है। इस मार्ग पर नई निजी कॉलोनियां विकसित हो रही हैं, जहां लोगों ने लाखों रुपए खर्च कर महंगे प्लॉट खरीदे हैं, लेकिन कॉलोनी के बाहर का दृश्य देख यह विश्वास करना मुश्किल है कि यह शहर का मुख्य मार्ग है।

गुरु ही दिखाता है मुक्ति का मार्ग : साध्वी भारती

सिरसा। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की ओर से महाशक्ति दुर्गा मंदिर खैरपुर में तीन दिवसीय सुंदर कांड कथा का आयोजन किया गया, जिसमें आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी पूजा भारती ने बताया कि सुन्दर कांड प्रसंग में गोस्वामी तुलसीदास ने बताया है कि जब हनुमान जी को व अन्य राम भक्तों को मां सीता की खोज करने की सेवा मिली तो सभी अलग-अलग दिशाओं में चले गए। हनुमान जी को सौ योजन का समुद्र पार कर मां सीता की खोज करने की सेवा मिली। जब हनुमान जी समुद्र पार करने लगे, तो रास्ते में बहुत सी बाधाएं आयी। जिन को हनुमान जी ने बहुत ही विवेकपूर्ण ढंग से पार किया। साध्वी जी ने बताया कि यहां हनुमान जी की यात्रा मां सीता रूपी भक्ति को प्राप्त करने की यात्रा है।

किसानों की मदद के लिए आगे आए सरकार

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि रोहतक, भिवानी, हिसार और फतेहाबाद जिलों में जलभराव के कारण किसानों की फसलें बर्बाद हो चुकी हैं, परंतु राज्य सरकार अब तक न तो गिरदावरी पूरी कर पाई है और न ही किसानों को उचित मुआवजा देने की दिशा में कोई ठोस कदम उठाए हैं। मुआवजा के नाम पर सरकार किसानों को तारीख पर तारीख दे रही है। कुमारी सैलजा ने शनिवार को जारी बयान में कहा है कि हाल ही में प्रकाशित समाचार के अनुसार चार जिलों में 50 हजार एकड़ से अधिक भूमि में अभी भी 2 से 3 फीट तक पानी भरा हुआ है। खेतों में खड़ी फसलें सड़ चुकी हैं और रबी की बुआई पर संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि फतेहाबाद जिले के बड़ोपल, धांगड़, धानकला, डिंग, जंडवाला जाटान, भूना और आसपास के गांवों पूरी तरह जलमग्न हैं।

एशियन यूथ गेम्स में हर्षित ने जीता कांस्य पदक

सिरसा। बहरीन में आयोजित तीसरी एशियन यूथ गेम्स-2025 में सिरस के हर्षित ने 73 किलो भारवर्ग में कांस्य पदक जीत कर भारत को जूडो का पहला पदक दिलाकर जिले व प्रदेश को गौरवांवित किया है। हर्षित ने जॉर्डन के खिलाड़ी को हराकर भारत के लिए यह पदक हासिल किया और 2026 में होने वाले यूथ ओलिंपिक के लिये क्वालीफाई कर लिया है। हर्षित ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां अर्चना जूडो कोच, सिरसा स्टेडियम के जूडो खिलाड़ियों के प्रोत्साहन व एसो. के योगदान को बताया।

हरियाणा दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन

59 वर्षों में हरियाणा ने लिखी विकास की नई गाथा: पनिहार

कार्यक्रम में पारंपरिक खानपान की झलक भी दिखी, लोक कलाकारों ने दी शानदार प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

हरियाणा दिवस के अवसर पर शनिवार को सिरसा के पंचायत भवन में सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणवी संस्कृति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों ने सबका मन मोहा वहीं पारंपरिक खानपान की झलक भी दिखी। कार्यक्रम में नलवा विधानसभा से विधायक रणधीर पनिहार ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और पारंपरिक खानपान से संबंधित प्रदर्शनी, पेंटिंग व क्ले मॉडलिंग प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा दिखाई गई प्रतिभा की सराहना की। मुख्यातिथि ने महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम द्वारा मोटे अनाज से बनाए गए पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद चखते हुए कहा कि यह हमारी पुरानी संस्कृति और आत्मनिर्भर भारत की झलक है। इस अवसर पर पंचकूला में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह का लाइव प्रसारण दिखाया गया। विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि हरियाणा ने 59 वर्ष में प्रगति की नई गाथा लिखी है, आज हरियाणा पुरातन को छोडक़र नवसंकल्प के साथ नवनिर्माण की दिशा में लगातार आगे बढ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लक्ष्य विकसित भारत में हरियाणा सबसे आगे विकसित हरियाणा प्रदेश बनने के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि पिछले ग्यारह वर्षों में हरियाणा ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारा संकल्प है कि आने वाले वर्षों में हरियाणा देश के सबसे विकसित राज्यों में शामिल हो। आज हरियाणा शिक्षा, स्वास्थ्य और सड? ढांचे में देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि पहले और आज के हरियाणा में जमीन-आसमान का अंतर है। कभी पंजाब की स्थिति हरियाणा से बेहतर मानी जाती थी, लेकिन आज हरियाणा हर क्षेत्र में अग्रणी है।

- शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा प्रदेश

सिरसा। हरियाणा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते विधायक रणधीर पनिहार तथा सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

हर्षोल्लास से मनाया हरियाणा दिवस व पटेल जयंती

सिरसा। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल सिरसा में शनिवार को हरियाणा दिवस एवं सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती बड़े उत्साह और हर्षोल्लास से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत एकता और देशभक्ति के भावों से हुई। स्कूली विद्यार्थियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन एवं उन द्वारा देश को दिए गए योगदान पर कविताएं प्रस्तुत की गई। इन प्रस्तुतियों ने सभी के मन में देशभक्ति और एकता की भावना को प्रबल किया। मंच संचालन शिक्षिका ज्योति और रजनी ने ठेठ हरियाणवी शैली में किया, जिससे पूरा माहौल हरियाणवीं रंग में रंग गया। जीवंत और उत्साहपूर्ण बने इस माहौल में विद्यार्थियों ने हरियाणा दिवस पर अनेक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

कचरी की सब्जी, बाजरे की रोटी व गुड़ वाले चावल परोसे गए

सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम में पारंपरिक देशी खानपान कचरी की सब्जी, बाजरे की रोटी, गुड़ के चावल, बाजरे व मोठ की खिचड़ी, चूरमा देसी घी का, गुड़ के पूड़े, चूरमे के लड्डू, पेड़े, गुलगुले, गुड की सुहाली, गोंद के लड्डू, राबड़ी, मोटा अनाज से बने पकवान की प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों ने हरियाणवी संस्कृति पर आधारित पेंटिंग का प्रदर्शन किया। साथ ही विद्यार्थियों ने क्ले के माध्यम से अपनी क्रिएटिविटी को मूर्त रूप दिया व उसकी प्रदर्शनी लगाई। दर्शकों ने बड़ी रुचि से प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश की गई और विजेताओं का चयन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को प्रथम पुरस्कार के तौर पर 2100 रुपये, द्वितीय को 1500 रुपये व तृतीय को 1000 रुपये दिए गए।

हरियाणा दिवस पर एसपी ने दी शुभकामनाएं, नशामुक्ति का आह्वान

फतेहाबाद। हरियाणा दिवस के गौरवमय अवसर पर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने जिलावासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि हरियाणा दिवस हमारे लिए केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि यह हमारे प्रदेश की गौरवशाली संस्कृति, परंपरा, परिश्रम, वीरता और पारस्परिक सद्भाव का प्रतीक है। हरियाणा की पवित्र धरती सदैव पराक्रम, ईमानदारी, कर्मठता और भाईचारे के उज्ज्वल उदाहरण प्रस्तुत करती रही है। एसपी जैन ने कहा कि यह अवसर हमें एकजुट होकर अपने प्रदेश की प्रगति में योगदान देने की प्रेरणा देता है। आज के दिन हम सब यह संकल्प लें कि अपने हरियाणे को नशा-मुक्त, अपराध-मुक्त, सुरक्षित, स्वच्छ, शिक्षित एवं समृद्ध बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। समाज में शांति, सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिलावासियों का सतत सहयोग, जागरूकता और सहभागिता ही फतेहाबाद को विकास, सुरक्षा और सामाजिक समरसता के पथ पर अग्रसर रखेगा।

कर्मचारियों ने योगदान को सराहा

पब्लिक हेल्थ विभाग में चार्जमैन सुरेश सेवानिवृत्त

फतेहाबाद। विदाई समारोह में सुरेश शर्मा को भावभीनी विदाई देते पब्लिक हैल्थ विभाग के कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

पब्लिक हेल्थ विभाग में चार्जमैन के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे सुरेश शर्मा आज सेवानिवृत हो गए। उनकी सेवानिवृति के उपलक्ष्य में विभाग प्रांगण में विदाई पार्टी बड़े ही भव्य एवं हर्षोल्लासपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

- कर्मचारी बोले, तन, मन और लगन से विभाग की सेवा की

संगठन की ओर से सुरेश शर्मा को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित ब्रांच प्रधान शमशेर कुंडू ने सुरेश शर्मा के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने 37 वर्षों की बेदाग सेवा के दौरान तन, मन और लगन से विभाग तथा जनसेवा को समर्पित किया। उन्होंने संगठन के जिला चेयरमैन के पद पर रहते हुए पूरी निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया। उनके नेतृत्व में संगठन ने एकता और सहयोग की नई मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि सुरेश शर्मा द्वारा विभाग की दी गई सेवाओं और संगठन के प्रति योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर एक्सइन बलविन्द्र नैन, एसडीओ भागीरथ, जेई बलविन्द्र, संगठन के जिला सचिव रामकरण प्रजापति, कैशियर नीरज कुमार, सर्व कर्मचारी संघ से प्रधान विनोद कुमार, सचिव लादूराम, इन्द्र घासी सहित विभाग के अनेक कर्मचारी मौजूद रहे। समारोह के अंत में सभी ने सुरेश शर्मा के उज्जवल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दी और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कनाडा के संत जगदीश सिंह का फतेहाबाद में नायक समाज ने किया जोरदार स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिला कष्ट निवारण कमेटी के सदस्य एवं पार्षद जगदीश नायक के निवास स्थान पर कनाडा से पहुंचे संत जगदीश सिंह का नायक समाज के प्रबुद्ध जनों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। संत जगदीश सिंह ने समाज के लोगों को राष्ट्रीय स्तर पर मंच के गठन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पंजाब, राजस्थान और हरियाणा में समाज के लोग काफी संख्या में है और अब विदेशों में भी भारी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहे है। जरूरत है इन सभी को एक मंच पर आने की ताकि संगठन मजबूती के साथ काम करे। उन्होनें कहा कि उन्होंने कनाडा में काफी युवाओं को तैयार किया है जो समाज से जुडक़र काम करने को तैयार है।

- पार्षद जगदीश नायक के निवास पर हुई बैठक में समाज का राष्ट्रीय मंच बनाने पर मंथन

फतेहाबाद। कनाडा के संत जगदीश सिंह का स्वागत करते जगदीश नायक व समाज के लोग।

एकजुट होने का संदेश

इस मौके पर युवा नेता सुरेंद्र पंवार सातरोड़, छात्र नेता मनोज अटवाल, राय सिंह एडवोकेट, मास्टर रमेश अटवाल ने भी विचार रखे और संत जगदीश सिंह के नेतृत्व में समाज को एकजुट करने के लिए मंच उपलब्ध करवाने पर जोर दिया। इस मौके पर युवा नेता टोनी नायक, सुल्तान पंवार, दलबीर आर्य, राजेश नायक, रवि नायक, राजकुमार सरपंच, सुखदेव सिंह, काला सिंह, अजमेर सिंह सहित नायक समाज के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

समाज में आ रही जागरूकता का परिणाम है कि अब बहुत से परिवार संपन्नता की ओर अग्रसर है। इस मौके पर सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सरकार से गरीब, मजदूर, किसान और कर्मचारी सहित सभी वर्ग परेशान : कृष्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

बसपा के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण जमालपुर ने कहा कि हरियाणा की बीजेपी सरकार जनता को लूटने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि गरीब, मजदूर, किसान और कर्मचारी सभी वर्ग परेशान हैं, जबकि बेरोजगार युवाओं के पास रोजगार नहीं है। कृष्ण जमालपुर शनिवार को सिरसा में कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां पूरी तरह विफल हैं और किसानों को प्राकृतिक आपदाओं के साथ-साथ सरकारी लापरवाही का भी सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश प्रभारी रामसिंह प्रजापति भी मौजूद रहे।

सिरसा। बैठक के दौरान मौजूद बसपा कार्यकर्ता।

सिरसा शहर की हालत खराब : रामधन चौटाला

जिलाध्यक्ष रामधन चौटाला ने कहा कि सिरसा शहर की हालत बेहद खराब है। उन्होंने कहा कि सरकारी तंत्र और प्रशासन की मिलीभगत से पूरा शहर गड्ढों और टूटी सडक़ों में तब्दील हो गया है। भ्रष्टाचार की लपेट में वाटर स्टोर्म प्रोजेक्ट, जिसके कारण सिरसा शहर में रोजाना लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं, गरीब मजदूरों, ड्राइवरों, महिलाओं और बच्चों को रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है। बैठक में भूषण बरोड़, गुरदीप कंबोज, लीलूराम आसाखेड़ा, पुष्पेंद्र शास्त्री, जसवंत सिंह, रामभक्त, नारायण दास आदि मौजूद थे।

लोक परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए 3 से गर्ल्स कॉलेज में होगा युवा महोत्सव

10 विधाओं में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे कलाकार, दो तक होगा रजिस्ट्रेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 मनाने का फैसला लिया है, जिसके तहत जिला फतेहाबाद में जिला युवा महोत्सव का आयोजन 3 व 4 नवंबर को चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा के सभागार में किया जा रहा है। युवा महोत्सव में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी 2 नवंबर तक राजकीय आईटीआई, भोडिया खेड़ा में उपस्थित होकर अपना आवेदन प्रपत्र जमा करवा सकते हैं। इस युवा महोत्सव में भाग लेने वाले युवा हरियाणा राज्य के स्थाई निवासी व उनकी आयु 15 से 29 वर्ष के बीच होनी आवश्यक है। युवा महोत्सव में दस विधाओं में शिक्षण संस्थानों में पढऩे वाले युवाओं के अलावा न पढऩे वाले युवा भी भाग ले सकते हैं। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भोडिया खेड़ा के प्रधानाचार्य एवं जिला नोडल अधिकारी रमेश कुमार ने बताया कि युवा महोत्सव मनाने का मकसद देश में बहुत सारी लोक परंपराओं को लुप्त होने से बचाने के साथ-साथ युवाओं में इनके प्रति जागृति लाना है। जिला स्तर से राज्य स्तर पर इस युवा महोत्सव का आयोजन होगा। जिला की विजेता टीमें राज्य और राज्य की विजेता टीमें राष्ट्रीय स्तर पर युवा महोत्सव में भाग लेगी। उन्होंने बताया कि इस युवा महोत्सव हेतू अब तक साइंस मेला में 16, लोक नृत्य में 52, लोक गीत में 13, कहानी लेखन में 25, कविता लेखन में 28, पोस्टर मेकिंग में 20, भाषण प्रतियोगिता में 34, लोक संगीत वाद्य प्रतियोगिता में 15 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

- 15 से 29 वर्ष आयु के युवा हिस्सा ले सकेंगे

राघवेन्द्र दास की अगुवाई में द्वितीय सनातन एकता पदयात्रा निकली, गोमाता व हिंदू राष्ट्र के लगे जयकारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

बाबा बागेश्वर धाम के प्रमुख पंडित धीरेंद्र शास्त्री के शिष्य राघवेन्द्र दास के नेतृत्व में द्वितीय सनातन एकता पदयात्रा धूमधाम से निकाली गई। यह यात्रा श्री दुर्गा मंदिर से रवाना होकर भीमा बस्ती, जवाहर चौक, थाना रोड, लाल बत्ती चौक होते हुए भट्ठू मंडी पहुंची। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन इंद्र गावड़ी, समाजसेवी राजेश गर्ग, धीरज मोंगा व भूपेंद्र शर्मा रहे। मंच संचालन राजकुमार मदान ने किया। श्री दुर्गा मंदिर के पुजारी महेंद्र शर्मा ने गौ पूजन व ध्वजा पूजन कराया।

करीब 18 किलोमीटर लंबी इस यात्रा में बच्चों, महिलाओं व युवाओं ने बढ़-चढक़र भाग लिया। यात्रा के दौरान गौ माता की जय, हिंदू राष्ट्र अमर रहे और श्याम बाबा की जय के जयकारे गूंजते रहे। कर्यक्रम को भंडारे वाले बाबा पंडित चरणजीत, गुरु मान सिंह भगत जांडवाला सोत्तर, महंत राजेश गिरी बनगांव व नटवर गिरी जी महाराज खैरातीखेड़ी का सानिध्य प्राप्त हुआ। ब्रह्मलीन शुक्रगिरी, गौलोकवासी राजेंद्र नाथ महाराज, पूज्य राजेंद्र दास देवाचार्य महाराज, उत्तर प्रदेश और स्वामी हित प्रेमानंद महाराज, वृंदावन का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। आयोजक मनोज नारंग ने बताया कि यह पदयात्रा सनातन धर्म और एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेकर निकाली गई है। यात्रा भट्ठूकलां स्थित शिव श्याम मंदिर में पहुंचकर सम्पन्न हुई, जहां ध्वजा चढ़ाई गई।

- करीब 18 किलोमीटर लंबी इस यात्रा में बच्चों ने भी हिस्सा लिया

फतेहाबाद। राघवेन्द्र दास के नेतृत्व में निकाली गई द्वितीय सनातन एकता पदयात्रा।

कैबिनेट मंत्री गंगवा के आवास का घेराव करेंगे सेवानिवृत्त कर्मचारी, चार को बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

हरियाणा सरकार द्वारा सेवानिवृत कर्मचारियों के साथ किए जा रहे उपेक्षापूर्ण रवैये व नीतियों के विरोध में रिटायर्ड कर्मचारियों द्वारा रिटायर्ड कर्मचारी संघ के बैनर तले 26 नवम्बर को हिसार में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा के निवास स्थान पर मण्डलस्तरीय रोष प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन में फतेहाबाद जिले से भी भारी संख्या में सेवानिवृत कर्मचारी भाग लेंगे। प्रदर्शन की तैयारियों व अन्य मांगों पर चर्चा के लिए रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक 4 नवम्बर मंगलवार को जाट धर्मशाला के पास स्थित पुराना रेस्ट हाऊस में होगी। बैठक की अध्यक्षता प्रधान मुंशीराम कम्बोज करेंगे। यह जानकारी देते हुए संघ के महासचिव सुभाष चन्द्र चौहान ने बताया कि रिटायर्ड कर्मचारी संघ प्रतिनिधिमंडल और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के बीच 13 अगस्त 2024 को चण्डीगढ़ आवास पर बातचीत हुई थी, जिसमें सीएम ने सेवानिवृत कर्मचारियों की मांगों को स्वीकार करने का आश्वासन दिया था लेकिन आज तक सरकार इन मांगों का समाधान करने से कन्नी काट रही है जिससे सेवानिवृत कर्मचारियों में काफी रोष है। कैबिनेट मंत्री के आवास पर प्रदर्शन के दौरान मांग की जाएगी कि आठवां वेतन आयोग रिटायर्ड कर्मचारियों पर भी लागू किया जाए। सेवानिवृत उपरांत 65, 70, 76 वर्ष आयु पर 5, 10 व 15 प्रतिशत बेसिक पेंशन दरों में वृद्धि की जाए। कैशलेस मेडिकल सुविधा तुरंत लागू हो व मासिक मेडिकल भत्ता एक हजार रुपये से बढ़ाकर 3 हजार किया जाए। पेंशन कम्युटेशन की कटौती 15 साल की बजाय 10 वर्ष की जाए। पारिवारिक पेंशनर्ज को भी एलटीसी लागू की जाए। 18 माह का कोरोना समय का महंगाई भत्ते का भुगतान किया जाए।

- बैठक की अध्यक्षता प्रधान मुंशीराम कम्बोज करेंगे

धर्म- कर्म | **प्राचीन श्री श्याम मंदिर में चार दिवसीय कार्तिक महोत्सव**

राधाकृष्ण महारास नृत्य की भाव पूर्ण प्रस्तुतियों ने मन मोहा

नृत्य के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

नोहरिया बाजार स्थित प्राचीन श्री श्याम मंदिर में चल रहे चार दिवसीय कार्तिक मेला महोत्सव के तीसरे दिन मंदिर प्रांगण में बाबा के श्रद्धालुओं की गहमा-गहमी रही। आज दोपहर मध्यान्ह आरती के बाद छप्पन भोग प्रसाद अर्पित किया गया, जो कि एकादशी उत्सव का सर्वोच्च महत्वपूर्ण कार्यक्रम था। श्रद्धालुओं के जन सैलाब के बीच महा जयकारों से गूंज रहे बाबा के दरबार में शीश नवाने की होड़ लगी रही। शनिवार को सबसे पहले प्रातः 5 बजे प्रभात फेरी निकाली गई और 8 बजे मंदिर में पहुंचने वाली निशान यात्राओं का स्वागत किया गया।

इसके बाद दरबार में नटराज आर्ट ग्रुप द्वारा राधाकृष्ण महारास नृत्य की भाव पूर्ण प्रस्तुत किया गया। नृत्य के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान का श्रद्धालुओं ने देर तक आनंद लिया। इससे पहले राम नगरिया नंदीशाला में गो दान कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोपहर बाद मंदिर प्रांगण में एकादशी का भव्य श्री श्याम कीर्तन किया गया और प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर तेजपाल शर्मा, अश्वनी बंसल, राजेश बांसल, विकास कोचरी, नवीन गोयल, रमन सर्राफ, हर्ष महिपाल, राजेश गोयल, अनिल गाबा, दीपक गुप्ता, मनीष सोनी, हेमंत साहुवाला, राजेश सिंगला, राजकुमार सर्राफ, रुपेश सिंगला, सरस्वती देवी, यज्ञदत्त वर्मा, जगदीश प्रसाद, बिमला देवी, नंदनी ड्रोलिया, हुंडी परिवार, जयदीप, मनीष जलंधरा आदि मौजूद रहे।

सिरसा। प्राचीन श्याम मंदिर में आयोजित कार्तिक मेला महोत्सव में राधाकृष्ण महारास नृत्य करते कलाकार।

खबर संक्षेप

ओमबीर को मिला केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक

सिवानी। खंड के गांव सिवाच के युवा ओमवीर ने गांव का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। गांव के ओमबीर जो छत्तीसगढ़ के

बीजापुर में तैनात है और सीआरपीएफ की 208वीं कोबरा कमांडो बटालियन के हवलदार ध्रेडियो ऑपरेटर ओमवीर को केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक से सम्मानित किया गया है। भिवानी के गांव सिवाच के रहने वाले ओमवीर को यह सम्मान नक्सल विरोधी ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट में उनकी उत्कृष्ट दक्षता और साहस के लिए मिला है। गांव सिवाच के सरपंच प्रतिनिधि पंकज खटक ने बताया कि गांव के लिए खुशी का क्षण है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

आदमपुर। आदमपुर-भट्टू कलां रेलवे स्टेशन के बीच एक लगभग 25 साल के युवक की सिरसा से रेवाडी जा रही ट्रेन के चपेट में आने से मौत हो गई। रेलवे पुलिस चौकी इंचार्ज सुभाष चंद्र ने बताया कि युवक की पहचान नहीं हो पाई है तथा युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए फतेहाबाद भेज दिया गया। युवक का सिर धड़ से अलग हो गया। उन्होंने बताया कि इस बारे आदमपुर पुलिस चौकी से संपर्क किया जा सकता है।

कर्मचारियों ने मांगों को लेकर दिया धरना

आदमपुर। पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन से जुड़े कर्मचारियों ने आदमपुर उपमंडल अधिकारी कार्यालय पर धरना लगाया तथा जमकर नारेबाजी की। धरने की अध्यक्षता ब्रांच प्रधान विजय बहादुर ने की। उन्होंने कहा कि जब तक मंडल अभियंता उनकी समस्याओं मांगों का समाधान नहीं करेंगे धरना जारी रहेगा। इनका आरोप है कि उप मंडल अभियंता बार-बार मांग पत्र देने के बावजूद अडियल रवैया बनाते हुए समस्या का समाधान नहीं कर रहे। मौके पर कुंभाराम, प्रदीप ढाका, सतीश कस्बा, भवानी सिंह, अनिल खैरमपुर, महेंद्र सहित कई कर्मचारी मोजूद रहे।

शिकायतें लंबित रहने पर एसपी ने मांगा जवाब

हांसी। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने शनिवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में अपराध समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया। गोष्ठी में पुलिस डीएसपी विनोद शंकर, डीएसपी रविन्द्र सांगवान, डीएसपी नारनौंद देवेन्द्र नैन, डीएसपी साइबर हांसी सिद्धार्थ सहित सभी थाना, चौकी व अपराध यूनिट प्रभारी, आर्थिक अपराध शाखा प्रभारी व प्रवाचक पुलिस अधीक्षक आदि उपस्थित थे। मीटिंग में अपराध समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने सभी प्रवेक्षण अधिकारी व थाना तथा चौकी प्रभारियों से विस्तार से चर्चा कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उमड़े लोग

हरियाणा दिवस पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में 'मैं सूं हरियाणे की छोरी' गीत पर खूब झूमे

प्रदर्शनी में विभिन्न क्षेत्रों में हरियाणा की उपलब्धियों को दर्शाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। शानदार उपलब्धियों के लिए सम्मानित करते पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, अनूप धानक, प्रवीण पोपली व अन्य अतिथिगण। व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और हरियाणा राज्य गीत के साथ हुआ। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, पूर्व मंत्री अनूप धानक, मेयर प्रवीण पोपली, जिलाध्यक्ष आशा खेदड़ व भूपेंद्र पनिहार ने विशेष रूप से शिरकत की। इस अवसर पर सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में हरियाणा की उपलब्धियों पर आधारित एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी परिसर में ही स्वयं सहायता समूह की महिलाओं तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से विभिन्न उत्पादों की स्टॉलें भी लगाई गई। पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का भी लाइव प्रसारण किया गया।

वर्तमान सरकार की प्रदेश में ऐतिहासिक उपलब्धियां :गुप्ता

पूर्व मंत्री डॉ कमल गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि 1 नवंबर 1966 को हरियाणा राज्य का गठन हुआ था और तभी से यह राज्य अपनी मेहनती जनता, समृद्ध संस्कृति, कृषि और खेलों में उत्कृष्ट योगदान के लिए जाना जाता है। हरियाणा सरकार के अभी तक कार्यकाल में प्रदेश में ऐतिहासिक उपलब्धियां दर्ज की गई हैं।

मेयर प्रवीण पोपली ने युवाओं को किया प्रेरित

मेयर प्रवीण पोपली ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा की पहचान उसकी सादगी, परिश्रम और लोक संस्कृति में निहित है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें अपनी जड़ों और परंपराओं को सहेजकर आधुनिक विकास की दिशा में आगे बढना चाहिए।

पिछले 11 वर्षों में प्रदेश ने तेजी से तरक्की की : अनूप

पूर्व मंत्री अनूप धानक ने कहा कि हरियाणा दिवस को मनाना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों से हरियाणा तरक्की की राह पर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रफल और आबादी के अनुपात में हमारे राज्य का प्रदर्शन बड़े राज्यों से भी कहीं अधिक शानदार है। आज हम देश के अन्न के भंडार भर रहे हैं। खेलों में भी हमारे राज्य का नाम सबसे अव्वल है।

इन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोहा

हरियाणा दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के कलाकारों ने हरियाणा वंदना, जय-जय वीर भूमि हरियाणा तथा वंदे मातरम राष्ट्र गीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। इसी प्रकार से जीएचएसएस गंगवा की छात्राओं ने करवाचौथ का व्रत आया तथा अगड़ पड़ोसन विषय आधारित, जिला कल्याण केंद्र के विद्यार्थियों ने हरियाणा तो बदल गया विषय आधारित समूह नृत्य, जीएसएस ढ़ाणा खुर्द की छात्राओं ने रागनी प्रस्तुति तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा मैं सूं हरियाणे की छोरी गीत पर समूह नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

विजेताओं को मिला सम्मान

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित शैक्षणिक प्रतिस्पाधाओं तथ सांस्कृति गतिविधियों एवं खेल विभाग द्वारा करवाई गई विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान भारतीय कबड्डी टीम की कप्तान निकिता नैन को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था, जिन्हें मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त सी जयाश्रद्धा, एसडीएम ज्योति मित्तल, सीटीएम हरिराम, उपनिदेशक एवं जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सुरेंद्र सिंह सैनी, डीआईओ दीपक भारद्वाज, जिला आयुष अधिकारी धर्मपाल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक वीरेंद्र श्योराण, संजीव रेवड़ी सहित युवा एवं संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आरपीएस पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया हैलोवीन डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

आरपीएस पब्लिक स्कूल के प्रांगण में हैलोवीन डे बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य बच्चों को वैश्विक संस्कृति से परिचित करवाना व विद्यालय के माहौल को उनके लिए अधिक मनोरंजक बनाना था।

इस अवसर पर विद्यालय के किंडरगार्टन क्षेत्र को कद्दू की लालटेन, मकड़ी के जालों, मुखौटों व अन्य हैलोवीन थीम वाली सजावटों से एक डरावना हॉल जैसा रूप दिया गया था। बच्चों ने भूत, चुड़ैल, सुपरहीरो जादूगर, प्यारे कद्दू की वेशभूषा में सजकर रैंप वॉक, नृत्य और कविता प्रस्तुति के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने उन्हें हैलोवीन से जुड़ी छोटी छोटी कहानियां भी सुनाई, जिसमें त्योहार के इतिहास और महत्व को सरल ढंग से समझाया गया। विद्यालय के संचालक डॉ संदीप देशवाल ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों को दुनिया भर के त्योहारों और संस्कृतियों के बारे में जागरूकता प्रदान करते हैं।

हांसी। हैलोवीन डे पर आयोजित कार्यक्रम में चुड़ैल का किरदार निभाती स्कूली छात्रा

नए अध्याय की शुरुआत

नए मोक्ष वृद्धाश्रम के लिए चौधरीवास में किया हवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

मोक्ष वृद्धाश्रम के एक नए अध्याय की शुरुआत चौधरीवास में भूमि पूजन करके की गई। चौधरीवास में पंचमुखी बालाजी धाम के नजदीक नए मोक्ष वृद्धाश्रम के लिए विधि विधान से हवन करते हुए जनकल्याण की कामना की गई। मौके पर नलवा के विधायक रणधीर पनिहार, पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, प्रमुख समाजसेवी राजेंद्र गावडिया व विजय कौशिक, मेयर प्रवीन पोपली व हरियाणा कर न्यायाधिकरण के न्यायिक सदस्य सचिन गर्ग इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। अति विशिष्ट अतिथि दीपक जैन व जिनेश जैन विशेष रूप से दिल्ली से पहुंचे। इनके साथ ही नरेश जैन, अरुण जैन, शुभचंद जैन, ऋषि बजाज, बसंत जैन, संजय जैन, पुनीत जैन, राकेश जैन, संजय जैन, संजय डालमिया, देवेंद्र कुमार जैन, आलोक जैन, शुभम जैन व यशु जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक पंकज संधीर व प्रधान विजय भुगु ने भी भूमि पूजन व हवन में हिस्सा लिया। मोक्ष वृद्धाश्रम के बुजुर्ग भी काफी संख्या में मौजूद रहे।

■ कार्यक्रम में बुजुर्ग भी काफी संख्या में मौजूद रहे

हांसी: आरपीएस पब्लिक स्कूल में हरियाणा दिवस की रही धूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

आरपीएस पब्लिक स्कूल में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने हरियाणा की संस्कृति, इतिहास और गौरवशाली परंपराओं को समूह नृत्य, समूह गान व नाटक के माध्यम से दर्शाया। छात्रों ने हरियाणा के इतिहास और भूगोल पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया। कक्षा आठवीं की कोमल व कक्षा सातवीं की प्राची द्वारा खेल उद्योग में हरियाणा का आर्थिक योगदान विषय पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समझाया कि कैसे हरियाणा ने अपने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और बढ़ते ढांचे के माध्यम से भारत की खेल अर्थव्यवस्था को मज़बूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

हांसी। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करती स्कूल प्राचार्या एकता व अन्य।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर विद्यालय की सामाजिक की अध्यापिका ज्योति लोहान व मोनिका ने अपने संबोधन में हरियाणा की संस्कृति और भाईचारे की भावना को अपनाने पर जोर दिया। प्रधानाचार्या एकता ने विद्यार्थियों को ऐसे प्रेरकदायक विषयों पर सीखते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। अंत में विद्यालय के संचालक डॉ. संदीप देसवाल ने सभी को हरियाणा दिवस की बधाई देते हुए हरियाणा राज्य के गठन और इसकी प्रगति पर प्रकाश डाला। विद्यालय का प्रांगण 'जय हरियाणा, जय भारत' के नारों से गूंज उठा, जो हरियाणा की प्रगति और एकता के प्रति दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

हांसी। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करती स्कूल प्राचार्या गीता मेहता व अन्य

श्री काली देवी विद्या मंदिर में हरियाणा दिवस पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

हांसी। श्री काली देवी विद्या मंदिर में हरियाणा दिवस गौरव, उमंग और सांस्कृतिक उल्लास से परिपूर्ण वातावरण में मनाया गया। विद्यालय परिसर हरियाणवी संस्कृति के रंगों से सराबोर दिखाई दिया। मंच संचालन विद्यार्थियों ने पारंपरिक हरियाणवी वेशभूषा में किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हरियाणवी लोकगीत, नृत्य और भाषण के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध संस्कृति का सुंदर चित्र प्रस्तुत किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का वातावरण हरियाणवी संस्कृति, बोली और लोक रंगों से महक उठा। इसके अतिरिक्त हरियाणा को जानो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं लोककला से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। प्राचार्या गीता मेहता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों से अपने राज्य की गौरवमयी परंपराओं को अपनाने और उन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया।

जिंदल स्टेनलेस को मिली एक्सीलेंट एनर्जी एफिशिएंट यूनिट्स के रूप में मान्यता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जिंदल स्टेनलेस ने एक बार फिर सस्टेनेबलिटी और ऊर्जा प्रबंधन के क्षेत्र में अपनी नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया। हरियाणा, हिसार और ओडिशा, जाजपुर में स्थित संयंत्रों को कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) द्वारा आयोजित नेशनल अवॉर्ड्स फॉर एक्सीलेंस इन एनर्जी मैनेजमेंट 2025 के 26वें संस्करण में एक्सीलेंट एनर्जी ए फि शि एं ट यूनिट्स के रूप में सम्मानित किया गया। ये मान्यता डिकार्बानाइजेशन, इनोवेशन और जिम्मेदारीपूर्वक औद्योगिक विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। जिंदल स्टेनलेस की हिसार यूनिट ने वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के इस्तेमाल, नवीकरणीय ऊर्जा की खरीद और प्रोसेस इनोवेशन में अपने अग्रणी प्रयासों के दम पर विशेष पहचान बनाई है।

जिसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2024-25 में कार्बन उत्सर्जन में 1,87,341 टन कमी आई।

औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों पर समान रूप से ध्यान देना चाहिए

हिसार। अवॉर्ड प्राप्त करती जिंदल स्टेनलेस हिसार यूनिट की टीम।

जिंदल स्टेनलेस की सराहना

सीआईआई की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले नेशनल अवॉर्ड्स फॉर एक्सीलेंस इन एनर्जी मैनेजमेंट समारोह में उन कंपनियों को सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने ऊर्जा संरक्षण और जलवायु के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। जिंदल स्टेनलेस की हिसार और जाजपुर इकाइयों को तकनीकी ज्ञान, प्रोसेस इनोवेशन और उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाने के लिए सराहा गया।

संत मदर टेरेसा सदन प्रथम और डॉ. कलाम सदन द्वितीय स्थान पर रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

संस्कार स्कूल, बगला में हरियाणा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर स्कूल के बच्चों ने एक से बढ़कर एक हरियाणवी सांस्कृतिक से ओत-प्रोत प्रस्तुति देकर उपस्थित अतिथियों तथा स्कूल स्टाफ का दिल जीत लिया। विद्यार्थियों ने हरियाणवी लोकनृत्य, गीत-संगीत एवं रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। इसके साथ ही हरियाणा के संदर्भ में इंटर हाउस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें संत मदर टेरेसा सदन प्रथम, डॉ. कलाम सदन द्वितीय स्थान व शहीद भगत सिंह सदन तीसरे स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या संतोष यादव ने बच्चों के इस शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी एवं हरियाणा की गौरवशाली संस्कृति, इतिहास और राज्य के विकास में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यालय प्रशासन ने इस आयोजन के सफल संचालन के लिए सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की।

■ संस्कार स्कूल बगला में धूमधाम से मनाया हरियाणा दिवस

रॉयल स्कूल खारा खेड़ी में राष्ट्रीय एकता की ली शपथ

हिसार। पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में हिस्सा लेते विद्यार्थी।

हिसार। रॉयल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल खारा खेड़ी के परिसर में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने एकता दौड़ (रन फॉर यूनिटी) के साथ समारोह की शुरुआत की, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और राष्ट्रीय एकता के महत्व को समझा। इसके पश्चात कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों द्वारा एक विशेष सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता के महत्व पर भाषण दिए और एक प्रेरणादायक नाटक प्रस्तुत किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डाला और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। इसके अलावा, विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ भी ली इस अवसर पर एक अंतर-सदनीय पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के चारों सदनों बोस, नेहरू, टैगोर और विवेकानंद के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्कूल चेयरमैन डॉ. युद्धवीर सिंह, स्कूल निदेशिका डॉ. ज्योत्स्ना, स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल डीवी नेहरा ने सभी को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं दी।

कुरीतियों के खिलाफ चलता रहेगा नेहरा खाप अभियान

नेहरा खाप महासम्मेलन,11 सदस्यीय सलाहकार समिति होगी गठित

नेहरा गोत्र के अनेक प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा दिवस के मौके पर तारा फोर्ड में आयोजित नेहरा खाप के महासम्मेलन में सर्वसम्मति से संदीप नेहरा सिरसा को फिर से नेहरा खाप का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। उनका ये कार्यकाल चार साल का रहेगा। पूरे भारत से पहुंचे नेहरा गौत्रीय व्यक्तियों की उपस्थिति में नेहरा खाप ने अनेक सामाजिक फैसले लिए। इस आयोजन में संजना सातरोड़ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। नेहरा खाप महासम्मेलन में अनेक खापों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। स्टेज संचालन वरिष्ठ पत्रकार अमित नेहरा ने किया। महासम्मेलन की अध्यक्षता एडवोकेट सतबीर नेहरा निंदाना ने की। इस अवसर पर नेहरा गौत्र के अनेक प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संदीप नेहरा सिरसा ने कहा कि नेहरा समाज ने उन्हें ये महत्वपूर्ण जिम्मेदारी फिर से दी है उसके लिए वे पूरे समाज के आभारी हैं। नेहरा खाप में राष्ट्रीय स्तर पर 11 सदस्यीय सलाहकार समिति बनाई जाएगी। भविष्य में सभी महत्वपूर्ण फैसले इसी समिति से विचार विमर्श करके लिए जाएंगे। संदीप नेहरा ने कहा कि नेहरा गौत्रीय उदीयमान छात्र-छात्राओं व वीर नारियों को उचित मान-सम्मान दिया जाएगा। इसके अलावा समाज में व्याप्त कुरीतियों को भी दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

हिसार। नेहरा खाप सम्मेलन को संबोधित करते वक्ता।

यह रहे उपस्थित

नेहरा खाप महासम्मेलन में कर्नल डीवी नेहरा, थानेदार जगमाल नेहरा, सुरेश नेहरा, सतेंद्र नेहरा, विशाल नेहरा, सुलोचना नेहरा, सुंदर नेहरा, ओमपाल नेहरा, सूबेदार धूपसिंह, कुलवंत नेहरा, बलवान नेहरा, वेदपाल नेहरा, रणबीर नेहरा, राकेश नेहरा, लीछीराम नेहरा, अजय नेहरा, शीशराम नेहरा, भगवान सिंह नेहरा, बस्तीराम नेहरा, चंदू राम नेहरा, महावीर नेहरा, विक्रम नेहरा, वीरेन्द्र नेहरा, कुलवंत नेहरा, महेंद्र नेहरा व लाल सिंह नेहरा आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इसके अलावा अन्य खापों से सर्वजातीय सुंडा खाप से बलवान सुंडा, पंचग्रामी खाप से रामनिवास खेदड़, झोरड़ खाप से विनोद झोरड़, बेनीवाल खाप से अनूप बेनीवाल, सातबास खाप से बलवान मलिक आदि उपस्थित थे।

नेहरा खाप बड़ी प्रगतिशील सोच वाली खाप : संजना

इस महासम्मेलन की आयोजक संजना सातरोड़ ने कहा कि नेहरा खाप बड़ी प्रगतिशील सोच वाली खाप है जिसमें महिलाओं को आगे बढ़ने के बेहतरीन मौके दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में भी नेहरा खाप का इसी तरह सहयोग करती रहेंगी। महासम्मेलन में भूपेंद्र नेहरा, पवन नेहरा, नरेश नेहरा(उत्तरप्रदेश), कर्नल ओपी नेहरा, बलवीर सिंह नेहरा (राजस्थान), सागरदीप सिंह नेहरा(पंजाब), उदयवीर नेहरा, थानेदार ओमप्रकाश नेहरा दिल्ली) आदि अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने सम्बोधित किया।

कुछ शब्दों तक सिमटी किशोर-युवाओं की बातचीत

घर, ऑफिस, कॉलेज हो या कोई पार्टी जहां कहीं भी किशोर या युवा आपस में बातचीत करते हैं, तो अधिकतर अंग्रेजी के कुछ शब्दों तक ही सिमटे रहते हैं। मातृभाषा संस्कार और क्षेत्रीयता का सोंधापन उसमें से नदारद रहता है। नई तकनीकी का हस्तक्षेप, विदेशी जीवनशैली और आधुनिकता के अंधानुकरण जैसी कई वजहें इसके लिए जिम्मेदार हैं। इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

एक जमाना था, जब संयुक्त परिवारों में रहने वाले बच्चे किशोरावस्था में ही ऐसे मुहावरे और कहावतें दोहराने लगते थे, जो आज के किशोरों के मुंह से सुनने को मिलें तो निश्चित रूप से आश्चर्य हो- जैसे कि 'नहले पे दहला' और 'सौ सुनार की एक लुहार की।' ये कहावतें या मुहावरे अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक किशोरों के मुंह से सुनना आश्चर्य की बात नहीं होती थी। लेकिन अगर आज की बात करें तो किशोरों के पास अंग्रेजी के कुछ गिने-चुने शब्द ही होते हैं, जिन्हें वे आपसी संवाद के दौरान अकसर दोहराते रहते हैं। मसलन- 'ओके, रियली, यू नो, वाव और ट्रस्ट मी।' जैसे बमुश्किल एक दर्जन अंग्रेजी के शब्द हैं, जो विशेषकर आज के शहरी बच्चे अकसर आपस में बातचीत के दौरान दोहराते रहते हैं।

मातृभाषा से बढ़ती दूरी: आज पूरे भारत में सभी क्षेत्रों की मातृभाषाओं पर यह संकट देखने को मिल रहा है। आज चाहे दक्षिण भारत हो या उत्तर, मध्य हो या पश्चिम। शहरी क्षेत्र में कहीं भी बच्चे खासकर किशोर और युवा अपनी मातृभाषा के मुहावरों, कहावतों और लोकोक्तियों के इस्तेमाल में जरा भी सहज नहीं दिखते हैं।

आजकल के किशोर और नौजवान बात-बात में 'ब्रो', 'दैट्स', 'लिट' और 'रियली यार' जैसे अंग्रेजी के शब्द तो बार-बार दोहराते हैं, लेकिन उनकी रोजमर्रा की जुबान में खांटी मातृभाषा के शब्द ढूंढ़े नहीं मिलते। वास्तव में हमारी नई पीढ़ी की वोकेबलरी किसी भाषायी विकास की नहीं बल्कि दिनों-दिन बढ़ रही सांस्कृतिक दूरी की कहानी कहती है और यह दूरी उस समय से बढ़नी शुरू हुई है, जब हम सदियों की अपनी गुलाम मानसिकता के मनोवैज्ञानिक दबाव में अपनी मातृभाषा को अंग्रेजी के सामने दरिद्र मान लेते हैं और इसी भावना के चलते अपनी रोजमर्रा की बातचीत में टूटे-फूटे अंग्रेजी के शब्द बार-बार दोहराकर अपने को मॉडर्न दिखाने की कोशिश करते हैं।

मोबाइल की लत का असर: आजकल घरों में मां-बाप के साथ बोली जाने वाली मातृभाषा को किशोर और युवा आपस में बोलना ओल्ड फैशन समझते हैं। इसलिए वे हर जगह अंग्रेजी के कुछ शब्दों से काम चलाते रहते हैं। सोशल मीडिया ने विशेषकर मोबाइल की लत लगने के बाद इस आदत को और पक्का बना दिया है। वास्तव में सोशल मीडिया का कुछ वैश्विक प्रभाव नई पीढ़ी पर इस कदर पड़ा है कि अंग्रेजी के शब्द अपनी रोजमर्रा की बातचीत में बोलना ग्लैमर लगने लगा है। जबकि हम सब जानते हैं कि ये बहुतायत में इस्तेमाल हो रहे अंग्रेजी के टूटे-फूटे शब्द अपनी अभिव्यक्ति में किसी तरह की भावना नहीं जगाते बल्कि बस स्टाइल बनकर रह गए हैं।

भावनात्मक गहराई से बढ़ी दूरी: अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक बातचीत में इस्तेमाल होने वाली कोई एक कहावत या कोई एक देसी मुहावरा हमारे दुखी और परेशान मन की सारी कहानी कह देता था। लेकिन आज बस 'मूड ऑफ' कह देने भर से काम चल जाता है। वास्तव में यह चेतावनी है कि अगर हम जल्दी चेते नहीं, तो हमारी मजबूत अभिव्यक्ति के देसी शब्द खो जाएंगे, तब हमें कहना ही नहीं, किसी के कहे हुए को समझना भी आसान नहीं होगा। आज सिर्फ कॉलेज, सोशल मीडिया में ही नहीं, दफ्तरों में भी लोगों के बीच अकसर अंगुलियों में गिने जाने वाले कुछ शब्दों से पूरी बातचीत कर लेने की कोशिश देखी जाती है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चाहे सोशल मीडिया हो, चाहे लोगों के बीच निजी संवाद हो या सार्वजनिक बतकही ही क्यों न हो? बस थोड़े से ही शब्द हमारे इर्द-गिर्द गूंजते रहते हैं। आजकल बातचीत में जरा भी ठहराव या भावनाओं की गहराई देखने को नहीं मिलती। 'टू द प्वाइंट' कहकर लोग तेजी से सतहीपन को सही ठहराने की कोशिश करते रहते हैं।

एक जमाना था, जब लोग आपस में बातचीत में रुचि लेते थे, लेकिन आज तो बस 'रिप्लाई' करते हैं। वास्तव में यह फर्क भाषा के विकास का नहीं, मातृभाषा से बढ़ी हुई दूरी का परिचायक है। आज के किशोरों और हाल में जवान हुए कितने युवाओं के मुंह से आपने 'घर की मुर्गी दाल बराबर' या 'नाच न आवे आंगन टेढ़ा' जैसे मुहावरे-लोकोक्तियां सुनी हैं? जबकि एक-डेढ़ दशक पहले युवाओं के बीच इस तरह के मुहावरे बातचीत का हिस्सा होते थे। ये शब्द या ये मुहावरे, खालिस बातचीत नहीं होते, ये हमारे बाप-दादाओं की संस्कृति को हम तक पहुंचने का जरिया होते हैं, जो अब लगातार खत्म हो रहे हैं। आज के युवा और किशोर अगर ये शब्द, शब्दावलियां, मुहावरे तथा कहावतों से दूर हैं, तो यह दूरी यहीं तक सीमित नहीं है। इनकी यह दूरी लगातार अपनी विरासत, संस्कृति और मातृभाषा से भी हो रही है। आज की पीढ़ी 'टेकन फॉर ग्रांटेड', 'कर्मा हिट्स बैक' या 'दैट्स हाउ इट वर्क्स' जैसे विदेशी वाक्य दोहराती है, जो कि निरा कोरे शब्द होते हैं। इनमें जरा भी भावनात्मक गहराई देखने को नहीं मिलती।

शॉर्टकट्स-इमोजी का बढ़ा ट्रेंड: वास्तव में मोबाइल और इंटरनेट ने संवाद को 'फास्ट फूड' में बदल दिया है। जल्दी लिखो, जल्दी भेजो, जल्दी भूलो, यही सब देखने को मिल रहा है। अब लोग 'थैंक यू' भी पूरा नहीं लिखते बल्कि 'टीएचएक्स' लिखकर काम चलना चाहते हैं। 'क्या हाल है' की जगह अब नई पीढ़ी सिर्फ 'एसयूपी' लिखकर अपने को कूल समझती है। वास्तव में नई पीढ़ी अब इस कदर शॉर्टकट की भाषा बोल रही है कि वह अपनी आधी से ज्यादा अभिव्यक्तियों को इमोजियों के हवाले कर देती है और उनके विचार तो बस स्टेटस अपडेट तक सीमित होकर रह गए हैं। यही वजह है कि आज युवा पीढ़ी में भाषा का अभ्यास और शब्दों की संवेदना दोनो का ही घोर अभाव दिखता है।

हमारे युवाओं और किशोरों की यह नई शब्दावली, परिवार और लोक-संस्कृति के छीजने का भी परिणाम है। इसलिए हमें बहुत जल्दी सचेत हो जाना चाहिए और यह दोहरा लेना चाहिए कि भाषा का पतन शब्दों का पतन नहीं, विचारों का पतन होता है। इसलिए जितना जल्दी हो, हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता को अगर जीवंत बनाए रखना है, तो अपनी मातृभाषा को समृद्ध बनाना होगा, सिर्फ पढ़ने के मामले में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के संवाद में भी। *

आधुनिक जीवनशैली की आपा-धापी और आर्थिक संसाधन जुटाने की जद्दोजहद में अधिकांश युवा, अपने पैरेंट्स से दूर रहने को मजबूर रहते हैं, उनकी केयर नहीं कर पाते हैं। उनको भी इस बात का मलाल होता है। ऐसे में समझदारी इसी में है कि एक संतुलन बनाते हुए अपने बुजुर्ग पैरेंट्स की देखभाल की जाए।

जीवन की सांझ में पैरेंट्स महसूस ना करें अकेलापन

दायित्व / डॉ. मोनिका शर्मा

हाल ही में दिल्ली के एक युवक की इमोशनल पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। इस पोस्ट में लिखा गया था कि वह देर रात 3:30 बजे अस्पताल के बाहर अपनी कार में बैठा है और लगभग 36 घंटे से सोया नहीं है। उसके पिता को दिल का दौरा पड़ा है। वह हालात को संभालने की कोशिश कर रहा है। उसे यह भी अफसोस है कि वह नौकरी के कारण परिवार से दूर हो गया है। अपने माता-पिता के साथ समय नहीं बिता पाया। माता-पिता को वक्त नहीं दे पाया। एक बेटा होने में असफल रहा। युवक ने पिता को हार्ट अटैक आने के बाद दुखी मन से बाद खुद को 'नाकाम बेटा' बताया। असल में बीमारी से जूझते पिता को देख लिखी गई भावुक बातों वाली यह पोस्ट कितने ही युवाओं के लिए थोड़ा ठहरकर सोचने की बात लिए है। ये शब्द अपनों के साथ वक्त बिताने की अहमियत समझाते हैं। समय रहते अपने माता-पिता को समय देने की एक मानवीय चेतावनी सी लिए हैं।

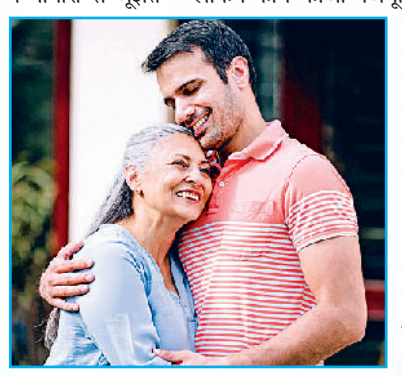

बढ़ने लगती हैं कई चिंताएं: बच्चों की जिंदगी संवारने के लिए अपना जीवन जीना भूल जाने वाले पैरेंट्स थके शरीर और टूटते मन के इस दौर में उनका इंतजार करते रहते हैं। अकेलेपन के घेरे में आ जाते हैं। जाने कब क्या हो जाए का तनाव और सेफ्टी से जुड़ी चिंताएं उन्हें हर पल परेशान करती हैं। सेहत से जुड़ी परेशानी में बिल्कुल ही टूट जाते हैं। उलझाती मनःस्थिति वाली ऐसी बातों के चलते हालिया वर्षों में बुजुर्गों में सुसाइड का आंकड़ा भी बढ़ा है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के मुताबिक वृद्धावस्था में अकेलापन, बुजुर्गों की समय से पहले जान जाने का अहम कारण है। एक निश्चित उम्र के बाद इमोशनल और फिजिकल रूप से अकेलेपन को झेलना इंसान के लिए तकलीफदेह होता है। उम्रदराज लोगों के मामले में तो यह बहुत बड़ी समस्या बन गई है।

अपराधबोध तले दबता मन: यह सच है कि आज के समय में करियर बनाने और जरूरतें जुटाने में लगे युवाओं की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। आज के कट थ्रॉट कॉम्पिटीशन में डटे रहना कुछ भी सोचने का समय नहीं देता। अपनों को भी याद करने का वक्त नहीं मिलता। इन हालातों में मन अपराधबोध का भी शिकार बनता है। नेशनल अलायंस फॉर केयर गिविंग और एएआरपी की रिपोर्ट के मुताबिक 47 प्रतिशत लोग अपने माता-पिता की चिंता में भावनात्मक रूप से टूटने लगते हैं। बड़ों के अकेले पड़ जाने की पीड़ा को बच्चों का मन भी समझता है। लेकिन काम-काजी मजबूरियों के कारण पैरेंट्स से दूर रहने वाले लोग भी जानते हैं कि उनके माता-पिता को उनकी देखभाल की जरूरत है। ऐसे में ठहराव की राह खुद ही चुननी होगी। आपा-धापी में अपने अहसासों को बचाने के लिए युवाओं को एक संतुलन तो साधना होगा।

देर ना हो जाए: अपने बुजुर्ग पैरेंट्स से जुड़े रहने के मोर्चे पर समय की टिक-टिक को सुनना भी जरूरी है। वक्त निकल जाने के बाद कुछ नहीं किया जा सकता। जिंदगी भर के लिए एक कसक मन में रह जाती है। देखा जाए तो यह एक रिश्ते को निभाने की बात भर नहीं। उम्रदराज माता-पिता की देखभाल एक मानवीय जिम्मेदारी भी है। सो दूर बैठे केवल महंगे मोल वाली चीजें भेजकर मन को तसल्ली देने के रास्ते ना निकालें। ना भूलें, जीवन की सांझ में अपने बच्चों के इमोशनल सपोर्ट की बुजुर्ग अभिभावकों को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए जितना अधिक संभव हो, उनके साथ वक्त गुजारें, उनका ध्यान रखें। *

अपनी बात और भावनाएं दूसरों तक पहुंचाने के लिए शब्दों की जरूरत पड़ती है। लेकिन शब्दों से भी गहन अभिव्यक्ति मौन की होती है। मौन से हमें अंतस की भी सहज अनुभूति हो जाती है।

आत्मानुभूति का द्वार मौन

आत्मचिंतन / रश्मि वैभव गर्ग

अभिव्यक्ति का सहज माध्यम हैं- शब्द। लेखन हो या जीवन शब्दों से ही अभिव्यक्त होता है। शब्दों की यात्रा ही, जीवन को गतिशील बनाए रखती है। शब्द न होते तो हम मौन को भी परिभाषित नहीं कर पाते। शब्दों की ध्वनि ही जीवन को गुंजायमान रखती है। शब्दों का अर्थ के साथ, लहजा भी हमारे भावों को दर्शाता है। वास्तव में अभिव्यक्ति के दो ही माध्यम हैं। एक तो शब्द, दूसरा भाव। शब्दों का संसार तो विस्तृत है ही, लेकिन शब्दों से परे भी एक दुनिया होती है, वो है मौन। मौन, वो भी व्यक्त कर देता है, जो शब्द भी व्यक्त नहीं कर पाते हैं।

अव्यक्त को करता है व्यक्त: मौन एक साधना है। इसके विविध रूप हैं। मौन कभी शब्दों का विराम है तो कभी भावों की गहन अभिव्यक्ति है। कभी मौन रोष अभिव्यक्त करता है, तो कभी अगाध प्रेम की अभिव्यक्ति। मौन कभी शब्दों की विवशता भी प्रकट करता है। कभी-कभी शब्द हमारी अनुभूति को व्यक्त ही नहीं कर पाते, उसे मौन व्यक्त कर देता है। शब्द, भावों की गूंज है तो मौन भावों की मूक अभिव्यक्ति है। किसी ने क्या खूब कहा है कि स्पीच इज सिल्वर, साइलेंस इज गोल्ड। सचमुच बोलना चांदी के समान है तो चुप रहना स्वर्ण के तुल्य। कभी ऐसा भी होता कि हम कुछ बोलना चाहते हैं, लेकिन किसी कारणवश बोल नहीं पाते हैं, फिर सोचते हैं कि न बोलना ही श्रेयष्कर रहा।

आत्मसंयम का परिचायक: मौन, अभिव्यक्ति का श्रेष्ठतम माध्यम है। बशर्ते कोई समझने वाला हो। सामाजिक जीवन में संवादरहित अभिव्यक्ति एक गहरा प्रभाव छोड़ती है। चुप रहना भी एक विजय है। अपने शब्दों को विराम देना एक आत्मसंयम है। इस आत्मसंयम को आत्मसात करना हमारी जीत है। बाहरी मौन का संयम रखते हुए, आंतरिक मौन साधना को पाना जीवन दर्शन है। बाहरी मौन जीवन का आनंद है, आंतरिक मौन आत्मा का आनंद है। शब्दों का मौन लौकिक रंग है, आंतरिक मौन, आलौकिक रंग है। आंतरिक मौन यानी सब इच्छाओं की समाप्ति। जो अत्यंत दुष्कर है, लेकिन दुरूह नहीं। आंतरिक मौन जीवन को पूर्ण कर देता है। उतना ही पूर्ण जितना ईश्वर। तृष्णाओं की समाप्ति ही ईश्वर से मिलने का द्वार खोलती है। स्वयं से साक्षात्कार ही ईश्वर से मिलना है, वो तब ही संभव है, जब हम बाहरी व्यक्ति और वस्तुओं को विराम दें, और आंतरिक मौन को धारण करें।

मिलता है आलौकिक आनंद: हर इंसान के अंदर आध्यात्मिक अनुभूति होती है। जैसे पानी में कंकड़ फेंकते हैं तो लहर उठती है, वैसे ही हर आत्मा में अध्यात्म की चेतना होती है, क्योंकि चेतन का स्वभाव ही आत्मतत्व की खोज है। जिसका क्षणिक आभास हम जब-तब करते रहते हैं, लेकिन जब यह आत्मतत्व चिरस्थाई हो जाता है, तो असल आनंद प्राप्त होता है। बाहरी क्रियाएं विचलित करती हैं। आंतरिक मौन, लोक में रहकर आलौकिक सुख प्रदान करता है। स्वयं से स्वयं को ढूंढ़ना ही आंतरिक मौन है। वही ईश्वर से साक्षात्कार है। आत्मा में ही परमात्मा का वास होता है। आंतरिक मौन सृष्टि का अनहद नाद है, जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है।

संसार में रहकर संसार से विरक्ति सबसे कठिन कार्य है। आसक्तियां ही सांसारिक कार्यों को फलीभूत करवाती हैं। जीवन का द्वैत ही यही है कि यदि अध्यात्म को अपनाते हैं तो कर्तव्यों से विमुख हो जाते हैं और कर्तव्यों का निर्वाह, बिना आसक्तियों के होता ही नहीं। इसी झंझावात में जीवन-यापन हो जाता है। वास्तविकता यही है कि हम दो दुनिया में जीते हैं। बाहरी दुनिया जो कर्मशील दुनिया है, जहां हम अपना किरदार निभाने के लिए बाध्य हैं। वो हमें थोड़ी आसक्ति भी देती है। आसक्त होना लाजिमी भी है, क्योंकि वही हमें कर्मशील बनाता है। दूसरी दुनिया है आत्मा का आनंद, जिसे हम स्वयं के भीतर अनुभव कर सकते हैं। ये हमारी अपनी खोज है, अपनी पूंजी है। इसे हम ही प्राप्त कर सकते हैं और इसे कोई हमसे छीन भी नहीं सकता। बाहरी क्रियाकलापों का विराम ही आंतरिक मौन है। बाहर कितना ही शोर हो यदि आंतरिक शांति है तो आप हर जगह विजयी होंगे। कहने का सार यही है कि अपने जीवन की सांसारिक यात्रा के विभिन्न पड़ावों को पूरा करते हुए भी अंतिम ध्येय अंतस का मौन ही होना चाहिए। *

दोहे / घमंडीलाल अग्रवाल

सूनी-सी दहलीज

सूना घर का आंगना, सूनी-सी दहलीज।
भूख, गरीबी बो चुकी, घर गरीब के बीज।।
जैसे को तैसा मिले, हो हमलावर पस्त।
वह भी फिर आश्वस्त-सा, हम भी फिर आश्वस्त।।
बदल रही है जिंदगी, बदल रहा है दौर।
निसदिन नई चुनौतियां, हर पल करिए गौर।।
पांव कुल्हाड़ी मार ली, गए संभलना भूल।
गड्ढा आया सामने, काहे गिरे फिजूल।।
गीता, रामायण पढ़ी, बांचे वेद, कुरान।
हो न सका इंसान तो, एक अदद इंसान।।
भरी भीड़ में हम हुए, बहुत अकेले आज।
अपनेपन का बांधते, किसके सिर पर ताज।
यदि कुपात्र को धन दिया, धन होगा बेकार।
ज्यादा खाकर वस्तुएं, जैसे तन बीमार।।
वाटर एटीएम लगे, सूखे सारे कूप।
परिवर्तन का मोहरा, खड़ा बदलकर रूप।।
फिसला करती हाथ से, पाई कोई चीज।
होते हैं संसार में, ऐसे कुछ नाचीज।।
भले विवेकानंद हों, अथवा गौतम बुद्ध।
कर्तव्यों से ही लड़े, अधिकारों के युद्ध।।

छोटी कहानी
सविता गोयल

तृप्ति

जहां आर्थिक रूप से कमजोर बड़े बेटे कमल ने कैंसर से पीड़ित पिता के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं छोटे बेटे विमल ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़े रखा। पिता के देहांत के बाद उनकी तेरहवीं में विमल ने जैसा दिखावा चाहा, वह अपमानजनक था। एक मर्मस्पर्शी कथा।

यह क्या भैया! ना आपने सारे नाते-रिश्तेदारों को न्यौता दिया और ना ही भोज का आयोजन सही तरीके से किया। समाज में क्या इज्जत रह जाएगी हमारी! अरे पैसे कम पड़ रहे थे तो एक बार बोल दिया होता हमसे। मैं ही कुछ इंतजाम कर देता। पापा की तेरहवीं पर मेरे ससुरजी भी आने वाले हैं। वो क्या सोचेंगे, उनके दामाद ने अपने पिता की तेरहवीं भी ढंग से नहीं की। आप सबको तो पता ही है, वो कितने बड़े आदमी हैं। मेरी क्या इज्जत रह जाएगी उनके सामने?' कमल का छोटा भाई विमल अपनी ही रौब में बोलता जा रहा था।

मनोहरजी को गुजरे आज ग्यारह दिन हो गए थे। पिछले दो साल से वह बहुत पीड़ा में थे। कैंसर की बीमारी में एक-एक दिन सालों की तरह गुजर रहे थे। उनका बड़ा बेटा कमल और बहू मीना ने अपने पिता की सेवा और इलाज में अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। किराने की दुकान में कोई ज्यादा कमाई नहीं थी, लेकिन जितना बन पड़ा, उसमें उन्होंने कभी अपना हाथ पीछे नहीं खींचा।

कमल अपने माता-पिता के साथ ही रहता था। छोटा बेटा विमल जब से पढ़-लिखकर इंजीनियर बनकर शहर में बसा, कभी पलट कर वह घर नहीं आया। नौकरी अच्छी थी तो बड़े घर की लड़की का रिश्ता भी आ गया था। अब तो विमल के और भी पंख लग गए थे।

पिता की बीमारी का पता होने के बाद भी कभी उसने उनके इलाज और देखभाल में बड़े भाई का हाथ नहीं बंटाया। एक बार कांता देवी ने विमल से कहा भी, 'बेटा, कमल का हाथ थोड़ा तंग रहता है, ऊपर से तेरे पिताजी की बीमारी पर बहुत पैसा खर्च हो रहा है। तुम थोड़ी मदद कर दोगे तो उसे थोड़ी राहत मिलेगी।'

इस पर विमल का जवाब था, 'मां, आपको क्या पता, मेरी कमाई से ज्यादा तो मेरा खर्च है। आप लोग तो यहां पुश्तैनी मकान में रहते हैं, लेकिन मुझे तो हर महीने फ्लैट का किराया भी देना पड़ता है। आगे मेरा परिवार भी बढ़ रहा है तो खर्चे भी बढ़ रहे हैं फिर इस बीमारी का क्या पता ठीक हो ना हो! बेकार में लुटने-पिटने से क्या फायदा?'

बेटे के मुंह से ऐसा सुनकर कांताजी ने कभी दोबारा उसे किसी प्रकार की मदद के लिए नहीं कहा। मनोहरजी बच तो नहीं पाए, लेकिन अपने बड़े बेटे-बहू के सेवाभाव को देखकर उनके हृदय में हमेशा उनके लिए आशीर्वाद के भाव रहते। कांता देवी पति की मृत्यु से आहत थीं, ऊपर से आज मनोहरजी की तेरहवीं पर आए विमल के मुंह से ये सब सुनकर उन्हें बहुत बुरा लग रहा था। अपने बड़े बेटे को असमंजस में देख उन्होंने समझाया, 'कमल, तुझे किसी की बातों में आकर अपनी हैसियत से बाहर कुछ करने की जरूरत नहीं है। तूने अपने पिता के जीते जी उनकी जो जी-जान से सेवा की है, वो उसी से तृप्त हो गए हैं। ये ऊपरी दिखावा और कर्मकांड उनके लिए अब कोई मायने नहीं रखता। तू जितना कर रहा है, वह बहुत है। तेरे पिताजी की आत्मा तो तेरी सेवा से ही तृप्त हो गई है बेटा। बस पांच ब्राह्मणों को भोजन करा दे और अपने पिता का तर्पण कर दे।' फिर कांता देवी अपने छोटे बेटे विमल के मुखातिब होते हुए बोलीं, 'आज तुझे यहां सारे कामों में जो कमी नजर आ रही है, वह उस समय क्यों नजर नहीं आई, जब तेरे पिताजी बीमारी से तड़प रहे थे और तेरा यह भाई तंगी से जूझते हुए भी रोज उन्हें लेकर अस्पताल के चक्कर लगा रहा था। उसे अपने दिन का चैन और रातों की नींद की भी परवाह नहीं थी। उस समय तो तेरे मुंह से एक बार भी नहीं निकला कि भैया, पिताजी के इलाज में मैं कुछ मदद कर दूं। उस वक्त तुझे यहां कोई कमी नजर नहीं आई? बेटा तू अपने पैसे अपने पास रख, पता नहीं कब तुझे इनकी जरूरत पड़ जाए। मां हूं, इसलिए कभी अपने दिल और जुबान से तेरा बुरा नहीं सोचूंगी, लेकिन बेटा जब तेरे बच्चे अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ेंगे तब तुझे अपने मां-बाप का दर्द समझ में आएगा।'

यह सुनकर विमल का सिर झुक गया। उसे अपनी मां और भाई से नजरें मिलाने की हिम्मत भी नहीं हो रही थी। कमल ने अपने सामर्थ्य अनुसार अपने पिता का तर्पण और भोज कराया।

कांता देवी के चेहरे पर आज संतुष्टि के भाव थे। उन्हें विश्वास था कि उनके पति तृप्त होकर इस दुनिया से विदा हुए हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

देश की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी

आजादी के बाद देश के विकास और इसे सशक्त बनाने में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की भूमिका रही है। इसी क्रम में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक के अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और अभूतपूर्व कार्य किए हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयासरत भी हैं। फिर वो चाहे विश्व में भारतवर्ष की प्रतिष्ठा बढ़ाने की बात हो, कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक कदम हो, कोरोना काल का मजबूती से सामना करना रहा हो, महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयास हों या आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देना हो। इस पुस्तक में उनके ऐसे तमाम प्रयासों की विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें लेखक ने नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के कई पहलुओं को भी उजागर किया है। *

पुस्तक: भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी,
लेखक: प्रोफेसर (डॉक्टर) रमेश चंद्र तोमर,
मूल्य: 600 रुपए, **प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन,
आसफ अली रोड, नई दिल्ली

इंडियन पैसिफिक एक्सप्रेस

जैसा कि नाम से ही जाहिर है, यह ट्रेन आपको दुनिया की सबसे यादगार ट्रेन यात्रा के रूप में दो महासागरों को पार करवाती है। सिडनी से पर्थ तक का 4352 किमी. लंबा यह रेल मार्ग आपको अनूठे लोक की यात्रा का अनुभव देता है। विशाल ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप को पार करते हुए आप यहां के दिलकश नजारे देखेंगे तो मानो हिप्नोटाइज हो जाएंगे। कई जगह तो आपको वन्य जीवन की झांकी भी देखने को मिलेगी। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए कई क्लास के कोच हैं, जैसे गोल्ड सर्विस के तहत स्लीपर केबिन। आर रेड सर्विस के तहत डे नाइटर सीट। स्लीपर केबिन में आप तमाम सुविधाओं से सुसज्जित सिंगल या ट्विन स्लीपर केबिन ले सकते हैं और स्वादिष्ट ऑस्ट्रेलियन भोजन का लुत्फ उठा सकते हैं। जबकि आर रेड सर्विस के तहत डेनाइटर सीट दी जाएगी, जिस पर सोने की सुविधा भले ही न हो पर आपको आरामदायक तरीके से बैठने की सुविधा जरूर मिलती है। यहां पर्याप्त लेगस्पेस है, कोहनी टिकाने के लिए आरामदायक हत्थे हैं, वीडियो देखने की सुविधा है। इन डिब्बों में भी स्नैक्स, कॉफी, लंच, डिनर सब कुछ उपलब्ध कराया जाता है। k

रोचक
शिखर चंद जैन

रेल यात्राएं तो आपने भी जरूर की होंगी। लेकिन देश-दुनिया में कुछ रेलगाड़ियां ऐसी हैं, जो हजारों किलोमीटर की यात्रा करती हैं। दुनिया की सबसे लंबी दूरियां तय करने वाली इन रेलगाड़ियों से यात्रा का अनुभव बेहद अनोखा और मजेदार होता है। इनमें से कुछ लंबी रेल यात्राओं पर एक नजर।

सबसे लंबी दूरी तय करने वाली अनोखी-शानदार रेल गाड़ियां

ट्रांस-साइबेरियन एक्सप्रेस

दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली यात्री ट्रेन है, ट्रांस साइबेरियन एक्सप्रेस। मॉस्को से व्लाडीवोस्टक तक फैली 9288 किमी. की पटरियों पर सरपट दौड़ती यह ट्रेन आपको वाकई एक यादगार यात्रा का अनुभव देती है। 77 किमी. प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ने वाली इस ट्रेन में बिताए करीब 146 घंटे (करीब 6 दिन) आप शायद ही अपनी जिंदगी में कभी भुला पाएं, क्योंकि इन 6 दिनों में आप कभी पहाड़ों के बीच से गुजरेंगे, तो कभी हरी घास से भरे मैदानों से, कभी यह ट्रेन आपको रेगिस्तान के दृश्य दिखाएगी, तो कभी हरे भरे बियाबान जंगल के बीच से ले जाएगी। k

झिंगू हाइ स्पीड रेल

आज की तारीख में अगर लंबी दूरी तय करने वाली सबसे तीव्र गति वाली यात्री रेगलाड़ी का जिक्र होता है, तो उनमें झिंगू हाइ स्पीड रेल सबसे ऊपर है। यह ट्रेन बीजिंग से शंघाई की 1303 किमी. की यात्रा मात्र 5 घंटे में तय कर लेती है। इसकी गति 300 किमी. प्रतिघंटे तक हो सकती है। k

भारत की सबसे लंबी रेल यात्रा

भारत की सबसे लंबी रेल यात्रा विवेक एक्सप्रेस तय करती है। यह 9 राज्यों से होकर गुजरती है। यह असम के डिब्रूगढ़ से तमिलनाडु के प्रसिद्ध स्थल कन्याकुमारी तक चलती है। यह रेलमार्ग लगभग 4,273 किलोमीटर लंबा है। इस सफर को तय करने में लगभग 80 घंटे लगते हैं। इस ट्रेन का नाम स्वामी विवेकानंद के नाम पर रखा गया है। अपने इस सफर में यह ट्रेन लगभग 55 स्टेशनों पर रुकती है। k

द ब्लू ट्रेन

दक्षिण अफ्रीका की मशहूर ब्लू ट्रेन प्रीटोरिया से केपटाउन के बीच 1600 किमी. की यात्रा तय करती है। सच कहें, तो यह ट्रेन पटरी पर दौड़ने वाले किसी होटल की मानिंद है। इसमें कई सूट्स भी हैं, जहां होटल जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। यात्रा बहुत लंबी नहीं है। करीब 27 घंटे की इस यात्रा के दौरान अफ्रीका के तस्वीर सरीखे कुदरती दृश्य आपका मन मोह लेंगे। इस ट्रेन की गति कोई खास नहीं, मात्र 57 किमी. प्रति घंटे है, क्योंकि इसे होटल रूम सरीखे डिब्बों को जरा नजाकत से ही चलाना पड़ता है और यात्रियों की सुख-सुविधा का खयाल भी रखना पड़ता है। k

द कनाडियन ट्रेन

टोरंटो से वैंकुवर की यात्रा करवाने वाली यह ट्रेन जर्नी आपको 83 घंटे तक सैर कराती है। इस दौरान यह ट्रेन आपको कनाडा के विभिन्न मनोहर दृश्यों से भरी 4466 किमी. दूरी का अवलोकन करवाती है। ट्रेन की गति पहाड़ों की चढ़ाई में कभी मंद पड़ जाती है, तो हरे-भरे चित्ताकर्षक जंगलों से गुजरने के दौरान तेज भी हो जाती है। इस ट्रेन में कांच से बनी बड़ी-बड़ी खिड़कियों से तरह-तरह के दृश्यों को देखना वाकई रिलैक्सिंग और पीसफुल एक्सपीरियंस देता है। k

चाइना यूरोप ब्लॉक ट्रेन

द चाइना यूरोप ब्लॉक ट्रेन, दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली ट्रेन है। यह यीबू से मैड्रिड तक की 9977 किमी. की यात्रा करीब 21 दिनों में तय करती है। लेकिन यह कोई यात्री ट्रेन नहीं बल्कि मालगाड़ी है। k

अमल करने से ही बनेगी बात

स्मार्टफोन के स्क्रीन से हर पल प्रेरणादायक विचारों की बौछार होती रहती है। लोग इसमें रुचि भी खूब लेते हैं। लेकिन अगर आप स्वयं में सकारात्मक बदलाव देखना चाहते हैं तो सिर्फ मोटिवेशनल कंटेंट देखना नहीं, उस पर अमल भी करना होगा।

सेल्फ मोटिवेशन / चैतन्या

इन दिनों सोशल मीडिया पर भी मोटिवेशनल वीडियो की भरमार है। ज्ञान फैलाने के लिए बाकायदा एप्स बने हुए हैं। मन-मस्तिष्क को मोटिवेशन देने वाले शब्द लिखित हों या मौखिक, किसी ना किसी रूप में हर पल सामने आते रहते हैं। जीवन को साधने वाले इस कंटेंट को यूजर्स द्वारा खूब देखा-सुना भी जाता है। बावजूद इसके व्यावहारिक धरातल पर जनमानस में इसका असर नहीं दिखता। आंतरिक या बाहरी शक्ति जगाने को सुने गए विचार आत्मसात नहीं किए जा रहे हैं। इनसे प्रेरणा पाकर जन-जीवन में बदलाव लाने के भावों को बल नहीं मिल रहा।

ज्ञान को जीवन में उतारना: भगवान दत्तात्रेय ने सिखाया है कि सच्चा ज्ञान कहीं से भी, कभी-भी प्राप्त किया जा सकता है, बस व्यक्ति की दृष्टि पवित्र और समझदार होनी चाहिए। उन्होंने स्वयं भी प्रकृति के तत्वों, पशुओं और विभिन्न व्यक्तियों, गुरुओं के रूप में ज्ञान प्राप्त किया। पृथ्वी से सहनशीलता, वायु से अनासक्ति और बालक से खुशी का ज्ञान लिया। भगवान दत्तात्रेय का यह सिद्धांत यही बताता है कि ज्ञान का कोई तयशुदा स्रोत नहीं होता। जिज्ञासु और विवेकशील इंसान अपने परिवेश के कण-कण से कोई सीख ले सकता है। हर घटना, हर प्राणी और प्रकृति के हर तत्व से जीवन के गूढ़ रहस्यों को सीख सकता है। असल में यूं ही जीवन से जुड़े विभिन्न स्रोतों से ज्ञान लेना भी चाहिए। परीक्षा तो इन पढ़े, जाने, सुने गए पाठों को जीवन में उतारने के मोर्चे पर होती है। सोशल मीडिया में दिखते मोटिवेशनल कंटेंट को व्यक्ति स्क्रीन स्क्रॉल करते ही भुला देता है। इनमें वह गुरुत्व शक्ति नहीं होती, जो गुणीजनों के सान्निध्य में मिलती है। तभी तो आत्म जागरुकता लाने वाले उद्धरण भी जानकारी, सूचना या कोई समाचार भर बनकर रह जाते हैं।

गुणीजनों का जीवन ही प्रेरणा: हमारे यहां सदा से ही ज्ञानी-गुणीजन जीवन संवारने के उपदेश देते रहे हैं। संसार को दिशा देने वाला ग्रंथ गीता भी श्रीकृष्ण के उपदेश ही लिए है। विचारणीय यह है कि गुणीजनों के विचार ही नहीं उनका जीवन भी प्रेरणादायी रहा है। जिसके चलते आमजन में उनकी कही बातों को आत्मसात करने का भाव रहा। उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रतिबद्धता रही। अच्छे विचारों को व्यक्तिगत ही नहीं, सामाजिक-पारिवारिक परिवेश में भी जिंदगी का हिस्सा बनाने का प्रयास रहा। इसकी वजह यह है कि गुरु बोलते भर नहीं, स्वयं अपनी जीवन पद्धति भी बदलते हैं। कहा भी जाता है कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान या उपदेश देकर नहीं, बल्कि अपने आचरण और जीवनशैली से शिष्यों के जीवन को दिशा और प्रेरणा देते हैं। स्पष्ट है कि इसी के चलते सिद्ध पुरुषों के विचार ही जीवन में फलित होते हैं। सोशल मीडिया पर तैरते मोटिवेशनल आख्यानों में प्रेरणा देने की बातें भर हैं। इन बातों को कहने-समझाने वालों का अपना जीवन लोगों को प्रभावित करने वाला नहीं है। इतना ही नहीं शेयर कर आगे बढ़ाने की तकनीकी सहूलियत से हर कोई यह ज्ञान किसी दूसरे व्यक्ति तक तो पहुंचा रहा है पर अपने कर्मों में नहीं उतार रहा। बहुत से इंफ्लुएंसर तो प्रेरणादायी शब्दों को अपनी मार्केटिंग माध्यम बना चुके हैं। वहीं आत्म-विकास हो या आंतरिक शांति गुरुओं का जीवन ही सहज ढंग से व्यक्ति को नैतिक मार्गदर्शन देता है। जीवन को संवारने की सच्ची शिक्षा ही नहीं मिलती, उन उपदेशों से मन को साधने में भी मदद मिलती है।

मोटिवेशनल वीडियो देखने की वजह: जिंदगी में मौजूद किसी भी समस्या से पार पाने, अपने लक्ष्य तक जाने या मन को शांत सहज रखने के लिए मोटिवेशनल वीडियो खूब देखे जा रहे हैं। जबकि असल जीवन में प्रेरणादायी बातों से मनःस्थिति बदलने की प्रतिबद्धता नहीं दिखती। बावजूद इसके सोशल मीडिया प्रेरक सामग्री से अटा पड़ा है। असल में इसके पीछे आनंद के सिद्धांत और डोपामाइन हार्मोन को बढ़ाने की प्रणाली एक अहम कारण है। ऐसा कंटेंट देखने से व्यक्ति को त्वरित संतुष्टि और एक भावनात्मक सहारा मिलता है।

अमल करना सबसे जरूरी: निःसंदेह, जीवन से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने और लक्ष्यों को पाने के लिए आगे बढ़ने हेतु सही कार्य योजना जरूरी है। वर्चुअल स्क्रीन में झांकते रहने के बजाय वास्तविक जीवन में नियमित समय और ऊर्जा लगाकर ही अपने आप में बदलाव लाया जा सकता है। आध्यात्मिक उन्नति की जा सकती है। व्यक्तिगत जीवन के हर पक्ष पर संवर्धन किया जा सकता है। k

शर्ट-जैकेट्स, शर्ट और जैकेट का कॉम्बो होता है। इन दोनों की खूबियां मिलकर शर्ट-जैकेट्स बनाती हैं। इस सीजन में इनका ट्रेंड यंगस्टर्स में काफी बढ़ रहा है।

इन हल्की सर्दियों में युवाओं को भा रहीं शर्ट-जैकेट्स

फैशन ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा

शर्ट-जैकेट्स या जिसे फैशन की भाषा में शैकेट्स भी कहा जाता है, इस साल की हल्की सर्दियों में युवाओं की पहली पसंद बनी हुई हैं। ना सिर्फ स्टाइल के कारण बल्कि इनके आरामदायक, वर्सेटिलिटी और मॉडर्न लुक की वजह से भी ऐसा हुआ है।

क्या होती है शर्ट जैकेट: शर्ट-जैकेट्स, दिखती तो शर्ट जैसी हैं, लेकिन इनका फैब्रिक मोटा होता है और ये हल्की सर्दियों में गर्माहट देकर जैकेट का भी काम करती हैं। इसलिए इन्हें शर्ट-जैकेट्स कहा जाता है। इन्हें पहनने के लिए जरूरी नहीं है कि मौसम बहुत ठंडा ही हो। अगर हल्की हवा चल रही हो तो भी इन्हें आराम से पहना जा सकता है।

इनकी खासियतें: शर्ट-जैकेट्स ट्विल, डेनिम, वूलेन फ्लैनल, कॉटन ब्लेंड या कॉर्डराय से बनती हैं। इनकी डिजाइन बेहद आकर्षक होती है, जिनमें आगे बटन, दो या चार पॉकेट और किसी में खड़ी तो कई में गिरी कॉलर होती हैं यानी दिखने में ये बिल्कुल शर्ट जैसी लगती हैं, लेकिन शर्ट के मुकाबले थोड़ी मोटी होती हैं। हालांकि इनका वजन कड़ाके की सर्दियों में पहनी जाने वाली जैकेट्स के मुकाबले काफी कम होता है। फिर भी ये शर्ट के मुकाबले वजनदार होती हैं। ट्रांजिशन वेदर यानी जब न तो ज्यादा सर्दी होती है और न ज्यादा गर्मी, कहने का मतलब पूरी तरह से बारिश के बाद की गर्माहट का मौसम गया नहीं होता और पूरी तरह से सर्दियां आई नहीं होतीं, इस दौरान इन्हें पहनना सबसे सही लगता है। क्योंकि ऐसे मौसम में जब हल्की ठंड पड़ रही हो, ये बिल्कुल परफेक्ट च्वॉइस होती हैं। इन्हें अंदर टी-शर्ट के रूप में भी पहना जा सकता है। कई बार खुले या बंद दोनों तरीकों से इन शर्ट-जैकेट्स को कैरी किया जा सकता है।

युवाओं को क्यों हैं इतनी पसंद: शर्ट-जैकेट्स युवाओं को बेहद पसंद आती हैं। वास्तव में इन दिनों कपड़ों में लेयरिंग ट्रेंड में है यानी, कई परतों में ड्रेस पहनकर अलग-अलग लुक बनाना। शर्ट-जैकेट्स इस लेयरिंग फिनोमिना की स्टार आइटम है। इसे आराम और स्टाइल के साझे कॉम्बिनेशन के रूप में भी देखा और जाना जाता है। यह न तो पूरी तरह से फॉर्मल है और न ही पूरी तरह से कैजुअल बल्कि इसके लिए जो शब्द ज्यादा प्रचलित है, वह है-स्मार्ट कैजुअल। इसलिए ये युवाओं को विशेष रूप से पसंद आती हैं, क्योंकि उनकी बॉडी में ये एक परफेक्ट बैलेंस बनाती हैं। लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी की वजह सिर्फ यही नहीं है, इसे पॉपुलर बनाने में सोशल मीडिया का भी बड़ा हाथ है। वास्तव में इंस्टाग्राम, पिंट्रेस्ट और यू-ट्यूब पर फैशन इंफ्लुएंसर लगातार इन्हें प्रमोट कर रहे हैं, जिससे युवाओं में इनकी डिमांड काफी बढ़ गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि ये शर्ट-जैकेट्स, युवक ही नहीं युवतियों के बीच भी खूब लोकप्रिय हैं, क्योंकि इन्हें दोनों ही बड़े आराम से पहन सकते हैं। ये दोनों की बॉडी पर खूब फबती हैं। शर्ट-जैकेट्स पहनने का एक फायदा यह भी है कि इसके कारण बहुत कम कपड़ों पर भी एक कंप्लीट आउटफिट तैयार हो जाता है। बस एक बेसिक टी-शर्ट, डेनिम और ये शर्ट जैकेट्स, बस समझिए पूरा आउटफिट तैयार हो गया।

इस साल है इसका ट्रेंड: इन दिनों यह फैशन या ट्रेंडिंग स्टाइल में इसलिए है, क्योंकि इस साल पुरुषों द्वारा डेनिम और फ्लैनल चेक्ड शर्ट-जैकेट्स को खासतौर पर पसंद किया जा रहा है। अपने नए लुक, स्मार्ट डिजाइन और कलर कॉम्बिनेशन के कारण ये यंगस्टर्स की पहली पसंद बनी हुई हैं तो लड़कियों में भी कुछ खास कलर्स की शर्ट-जैकेट्स इस साल खूब फैशन में हैं, जिनमें पेस्टल टोन कलर सबसे खास है। साथ ही लड़कियों में इनका ओवरसाइज्ड डिजाइन भी खूब हिट है। चूंकि यह एक यूनिसेक्स फैशन है, इसलिए शर्ट-जैकेट्स को खूब सारे न्यूट्रल कलर्स में भी देखा जाता है जैसे- बेज, ऑलिव, ब्लश पिंक और ग्रे।

कुल मिलाकर शर्ट-जैकेट्स इन दिनों युवाओं के बीच इसलिए भी खूब फैशन में हैं, क्योंकि ये सिर्फ एक ड्रेस भर नहीं हैं बल्कि लाइफस्टाइल का सिंबल बन गए हैं। कम लेयरिंग, ज्यादा स्टाइल और हर मौके पर फिट रहने वाली शर्ट-जैकेट्स आज यंगस्टर्स के बीच पहली पसंद बनी हुई हैं। जहां तक इसके स्टाइल कॉम्बिनेशन की बात है तो शर्ट-जैकेट्स में स्टाइलिश लुक के लिए इसे बेसिक टी-शर्ट या टर्टलनेक के ऊपर पहनते हैं। साथ ही लोअर में डेनिम, चिनो या स्कर्ट पर भी यह बहुत आसानी से मैच कर जाती है। स्कार्फ या कैप के साथ भी इसे कैरी करना अटपटा नहीं बल्कि आकर्षक लगता है। जहां तक फुटवियर्स की बात है तो स्नीकर्स या लोफर इसके साथ अच्छे लगते हैं। k

जिस दौर में कई सुपर स्टार्स बॉलीवुड में एक्टिव थे, उस समय में भी संजीव कुमार ने अपने एक्टिंग टैलेंट से अलग पहचान बनाई। संजीव कुमार की पुण्य तिथि 6 नवंबर पर उनके द्वारा निभाए कुछ यादगार किरदारों पर एक नजर।

हर रोल निभाने में परफेक्ट वर्सटाइल एक्टर संजीव कुमार

यादें
मनोज प्रकाश

सुपर स्टार का ग्लैमर, हिट कराने का तमगा और स्लिम-ट्रिम फिगर अगर किसी हीरो की इमेज को एक डेकोरम देता है, तो किसी भी भूमिका को परफेक्ट तरीके से करना भी किसी फिल्म को हिट कराने की गारंटी हो सकती है। यह बात सिद्ध की थी संजीव कुमार ने। वह एक ऐसे कलाकार थे, जिनके बारे में कहा जाता था कि वे कोई रोल निभाते नहीं, उसे पूरी तरह जीते थे। जिस तरह हिंदी फिल्म इंडस्ट्रीज में दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, राजेश खन्ना, देवानंद, राजकपूर को बेहतरीन अभिनेता माना जाता है, उसी श्रेणी में संजीव कुमार का नाम भी बड़े सम्मान से लिया जाता है।

'आंधी' में सुचित्रा सेन के साथ संजीव कुमार

हर तरह की भूमिकाएं निभाईं : 9 जुलाई 1938 को गुजरात प्रांत में जन्मे, संजीव कुमार ने जितनी भी फिल्में की सभी में उनके डायलॉग से अधिक उनकी आंखें और मुस्कुराहट ने अभिनय किया। संजीव कुमार हिंदी फिल्मों के ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने हर तरह की भूमिकाएं कीं। यहां तक कि उन्होंने एक ही फिल्म में एक साथ नौ भूमिकाएं निभाकर एक ऐसा कमाल किया, जो 'भूतो न भविष्यति' है। उनके किरदार ऐसे हुआ करते थे, जिन्हें भुला पाना संभव ही नहीं है। 'शोले' और 'आंधी' उनकी दो ऐसी फिल्में रहीं, जिनको भारतीय सिनेमा में मील का पत्थर माना जाता है।

'शोले' में ठाकुर का यादगार किरदार: 'शोले' में संजीव कुमार ने पहले जेलर और फिर ठाकुर बलदेव सिंह का रोल बखूबी निभाया। पूरे परिवार को डकैत गब्बर सिंह द्वारा खत्म कर दिए जाने और उनके दोनों हाथ काट दिए जाने के बाद भी ठाकुर बलदेव सिंह ने जिस तरह से अपना प्रतिशोध लिया, उसने आने वाली फिल्मों के लिए एक मानक बना दिया।

हर किरदार में अलग रंग: फिल्म 'आंधी' में संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए होटल मैनेजर जेके का रोल आज भी दर्शक याद करते हैं। उस फिल्म में उन्होंने एक बेबस पति लेकिन समर्पित प्रेमी के रोल में अभिनय की पराकाष्ठा को छुआ था। जहां तक उनके अभिनय में मौजूद वर्सेटिलिटी की बात है तो 'खिलौना' में विजय, 'अनामिका' में देवेंद्र, 'सच्चाई' में किशोर, 'बचपन' में काशीराम, 'नमकीन' में गेरूलाल, 'राजा और रंक' में विजय और सुधीर, 'कोशिश' में हरिचरण, 'अंगूर' में अशोक और 'वक्त की दीवार' में विक्रम के किरदार ऐसे हैं, जिनसे उनकी प्रतिभा का लोहा सभी ने माना। 'उलझन' में उन्होंने सुलक्षणा पंडित के साथ एक ईमानदार अफसर और पति के रूप में फंसे व्यक्ति के द्वंद्व को बेहतरीन तरीके से निभाया। फिल्म 'नया दिन नई रात' में नौ किरदार निभाना और सभी को उसकी धारा में बहाते ले जाना, संजीव कुमार के बस की ही बात थी। उनसे पहले और उनके बाद आज तक किसी ने नौ रोल नहीं निभाए हैं।

ये भी रहे यादगार किरदार: संजीव कुमार को फिल्म 'दस्तक' के लिए हामिद का गंभीर किरदार निभाने हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया था। इसके उलट 'पति, पत्नी और वो' में तो उन्होंने हंसा-हंसाकर लोगों को लोटपोट कर दिया था। पत्नी की बीमारी की आड़ में सेकेट्री से प्रेम राग आलापना और पत्नी को समझाना, उस दौर में एक ऐसी कहावत बन गया था कि लोग रियल लाइफ में ऐसे किसी मामले में आपस में एक-दूसरे को कह देते थे-संजीव कुमार बन रहे हो? संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए यादगार किरदारों में 'मौसम' के डॉक्टर अमरनाथ को कैसे भूला जा सकता है? इस फिल्म में उनका डबल रोल, शर्मिला टैगोर के रोल से किसी तरह से कमतर नहीं रहा। इसी तरह फिल्म 'त्रिशूल' तो अमिताभ की कही जाती है, लेकिन इसमें संजीव कुमार ने एक ऐसे व्यापारी का रोल प्ले किया, जो अंजाने में ही अपने बेटे से व्यापारिक संघर्ष कर रहा होता है और उसे पता ही नहीं चलता। इसमें पिता-पुत्र के संवाद, दो प्रतिद्वंद्वी व्यापारियों की उस लड़ाई का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें वे अपनी जीत के लिए किसी भी स्तर तक जा सकते हैं।

'त्रिशूल' में अमिताभ के पिता के किरदार में संजीव कुमार

उन पर फिल्माए गाने भी हुए हिट: संजीव कुमार पर फिल्माए गाने भी सुपरहिट रहे। 'अनोखी रात' का गीत 'ओह रे ताल मिले नदी के जल में, नदी मिले सागर में', 'खिलौना' का 'खिलौना जानकर तुम तो', 'सीता और गीता' का 'हवा के साथ-साथ, घटा के संग-संग', 'अनामिका' का 'मेरी भीगी-भीगी सी पलकों पे', 'आंधी' का 'तुम आ गए हो, नूर आ गया है', 'मौसम' का 'दिल ढूंढता है फिर वहीं फुर्सत के रात-दिन' और 'सिलसिला' का 'रंग बरसे', हर दौर के हिट गानों की श्रेणी में गिने जाते हैं।

अधूरी रही प्रेम की दास्तान: संजीव कुमार ने जिस तरह से फिल्मों में अपना परचम लहराया, उसी तरह से उनके प्रेम के चर्चे भी खूब सुने जाते रहे। हेमा मालिनी के साथ के किस्से तो सर्वाधिक चर्चित रहे ही हैं। सुलक्षणा पंडित के साथ भी उनकी जोड़ी चर्चित रही पर वह भी अपने मुकाम पर पहुंचने से रह गई। खुद के बारे में की गई अपनी ही भविष्यवाणी को सच साबित करते हुए जीवन के पचास बसंत पूर्ण करने से पहले ही 6 नवंबर 1985 को अनंत आकाश में हमेशा-हमेशा के लिए विलीन हो गए। k